04 - नफ़रत की आँच पर सुलगती दुनिया

05 - जियो और जीने भी दो...!

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 17 जून, 2025

06 - 37 केन्द्रों पर आज से शुरू होगी 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा

07 - रायसेन-बरेली पहुंचने पर रोड शो में नागरिकों ने सीएम...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 248, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ईरान पर हमलों का असल मक़सद क्या वहां सत्ता परिवर्तन है?

आमिर अज़ीमी

शुक्रवार को इजराइल ने ईरान के ख़िलाफ़ यह कहते हुए बड़े हमलों को अंजाम दिया कि ईरान की परमाणु क्षमता से उसके और दुनिया के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

लेकिन इजराइली प्रधानमंत्री बिन्जामिन नेतन्याहू का इसके पीछे एक और बड़ा मक़सद हो सकता है, वो है ईरान में सरकार बदलना।

इस परिदृश्य में, नेतन्याहू ये उम्मीद कर सकते हैं कि उनके इन हमलों से प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला शुरू हो जाएगी, जिससे अशांति पैदा होगी और ईरान में सरकार का पतन हो जाएगा।

शुक्रवार शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि 'ईरान के लोगों के लिए समय आ गया है कि वो अपने झंडे (प्रतीक) और ऐतिहासिक विरासत को लेकर एकजुट हों, ताकि ज़ालिम और दमनकारी शासन से अपनी आज़ादी पाने के लिए खड़े हो सकें।' ईरान में कई लोग देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति, अभिव्यक्ति की आज़ादी की कमी, महिला अधिकारों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर नाराज़ हैं।

इजराइल के हमले ईरान के नेतृत्व के लिए एक वास्तविक ख़तरा पैदा कर रहे हैं। इन हमलों में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ़ ऑफ़ स्टाफ़ और आईआरजीसी के कई आला अधिकारी मारे गए हैं। इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी इजराइल में 'दर्जनों ठिकानों, सैन्य अड्डों और एयरबेस' पर हमले किए हैं। लेकिन जवाबी हमलों के बाद हालात तेज़ी से बिगड़े और ईरान की कार्रवाई के जवाब में नेतन्याहू ने कहा, 'अभी और भी हमले होने वाले हैं।' माना जा रहा है कि ईरान के और नेताओं को भी निशाना बनाया जा सकता है।

इजराइल को शायद ये लग रहा होगा कि ये हमले और हत्याएं ईरान में शासन को अस्थिर कर सकती हैं और वहां विद्रोह के लिए राह बना सकती हैं। कम से कम नेतन्याहू तो यही उम्मीद कर रहे होंगे। लेकिन ये एक जुआ है - एक बड़ा जुआ।

इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ऐसी कोई श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू होगी, लेकिन यदि यह शुरू भी हो जाए, तो यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी प्रक्रिया कहां तक पहुंचेगी। ईरान में सबसे ज़्यादा ताक़त उन लोगों के पास है जो सशस्त्र बलों और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करते हैं। इसका ज़्यादातर हिस्सा आईआरजीसी और कुछ अन्य अनिर्वाचित निकायों में कट्टरपंथियों के हाथों में है। उन्हें तख्तापलट करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि वो पहले से ही सत्ता में हैं और वो ईरान को अधिक टकराव की तरफ़ ले जा सकते हैं। एक और चीज़ ये हो सकती है कि ईरान में शासन का पतन हो जाए और उसके बाद अराजकता की स्थिति हो जाए।

लगभग 9 करोड़ लोगों की आबादी वाले ईरान में होने वाली घटनाओं का व्यापक असर पूरे मध्य पूर्व पर पड़ेगा। ऐसा लगता है कि इसराइल चाहता है कि ईरान में एक विद्रोह हो और उसके बाद सत्ता ऐसी सरकार के हाथों में रहे जो उसके प्रति दोस्ताना रवैया रखे। लेकिन यहां एक बड़ा सवाल ये है कि विकल्प कौन हो सकता है?

हाल के सालों में देखा गया है कि ईरान में विपक्षी ताक़तें काफ़ी बंटी हुई है और यहां नेतृत्व को लेकर कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है।

2022 में हुआ विद्रोह जिसे 'वूमन लाइफ़ फ्रीडम' आंदोलन के नाम से जाना जाता है, तेज़ी से पूरे ईरान में फैल गया था। इसके बाद कुछ विपक्षी समूहों ने अलग-अलग इस्लाम विरोधी गणतांत्रिक गुटों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर गठबंधन बनाने की कोशिश की थी। लेकिन गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा और सत्ता का तख्तापलट होने के बाद नई सत्ता की रूपरेखा क्या होगी, इन मुद्दों को लेकर नज़रियों में मतभेद के कारण ये गठबंधन अधिक दिनों तक टिक नहीं सका।

इजराइल, ईरान में कुछ गुटों या लोगों को अपने पसंदीदा विकल्प के रूप में देख सकता है। जैसे- ईरान के पूर्व शाह के बेटे और पूर्व क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी। पूर्व शाह की सरकार को 1979 की इस्लामी क्रांति ने गिरा दिया था। मौजूदा वक़्त में वो निर्वासन में जीवन बिता रहे हैं और विदेशी घटकों को अपने समर्थन में लाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के वक़्त में उन्होंने इजराइल का दौरा भी किया था।

ईरान के कुछ लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता अभी भी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसे वो इतनी बड़ी ताक़त में तब्दील कर सकेंगे कि देश में सत्ता परिवर्तन को अंजाम दे सकें। इसके अलावा मुजाहिद्दीन-ए-ख्लाक़ (एमईके) नाम का एक विपक्षी समूह भी है, जो मौजूदा वक़्त में निर्वासन में है। ये समूह ईरान में इस्लामी सत्ता का तख़्तापलट करने के पक्ष में है लेकिन राजशाही का समर्थन नहीं करता। वामपंथी मुस्लिम समूह के तौर पर बनाया गया ये समूह इससे पहले शाह का कट्टर विरोधी था।

इस्लामी क्रांति के बाद, एमईके नाम का ये समूह इराक़ चला गया और 1980 के दशक की शुरुआत में ईरान के खिलाफ़ युद्ध के दौरान इराक़ के शासक सद्दाम हुसैन के साथ शामिल हो गया। इस कारण ये समूह ईरान के कई लोगों के बीच अलोकप्रिय हो गया।

इस समूह से जुड़े लोगों के कुछ मित्र अमेरिका में हैं, जिनमें से कुछ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खेमे के क़रीबी माने जाते हैं।

हालांकि, ट्रंप के पहले कार्यकाल की तुलना में इसका प्रभाव व्हाइट हाउस पर कम ही दिखता है। इसके अलावा अन्य राजनीतिक ताक़तें भी हैं, जिनमें ईरान में सेक्युलर लोकतंत्र की स्थापना चाहने वाले और संसदीय राजतंत्र की मांग करने वाले शामिल हैं।

पिछले साल जब ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष हुआ था, उस दौरान इस बात के कोई मज़बूत संकेत नहीं मिले कि ईरान के लोग उस वक़्त की स्थिति को तख़्तापलट के मौक़े के रूप में देख रहे थे। इजराइल के इरादों की बात करते हुए यह ज़रूरी है कि हम ये पूछें कि अब ईरान का आख़िरी लक्ष्य क्या है?

इजराइल के कई ठिकानों को निशाना बनाने के बावजूद, ईरान के पास बहुत अच्छे विकल्प नहीं दिख रहे। कुछ लोगों को सबसे सुरक्षित तरीका ये लग सकता है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे और तनाव कम करने की कोशिश करे।

लेकिन ट्रंप की मांग के अनुसार अगर बातचीत जारी रखनी है (ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत) तो ये ईरान के नेताओं के लिए एक कठिन विकल्प है, क्योंकि इसका मतलब होगा कि उन्होंने हार स्वीकार कर ली। एक अन्य विकल्प इजराइल के ख़िलाफ़ जवाबी हमले जारी रखना है। ईरान का सबसे पसंदीदा विकल्प यही लगता है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

फावड़ा कुदाल या गैंती
कुछ भी लेकर नहीं चलती
लेकिन जहां पहुंचती है
वहीं शुरू कर देती है
मनुष्य के मन का उत्खनन
जहां दिखती है जरा भी मनुष्यता
उसकी जड़ में डालती है मट्ठा
और चौपाल पर हंसी ठट्ठा करता आदमी
नारे लगाते हुए निकल पड़ता है
फावड़ा गैंती कुदाल लेकर
खनन को बावला हो जाता है मन
ढूंढने लगता है कोई दुश्मन-भवन
उसका उत्साह देख आश्वस्त है अफ़वाह-
एक दिन मैं खोद डालूंगी सारा भुवन।
द्वेष दामिनी।

-अरुण आदित्य

साइप्रस ने पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

- अब तक 21 देश कर चुके सम्मानित, पीएम मोदी जी-7 में हिस्सा लेने कनाडा पहुँचे

निकोसिया (एजेंसी)। साइप्रस ने सोमवार को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे।

मोदी ने कहा, मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है।

इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब मोदी जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा पहुँच गए थे। पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र मेंआपसी विश्वास हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। भारत और साइप्रस के बीच रिश्ते न तो परिस्थितियों से बने हैं, और न ही ये सीमित हैं।हम एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने बरेली में किया 138.96 करोड़ के 45 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहनों को दिये जायेंगे 250 रूपये अतिरिक्त : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की यह गति हम थमने नहीं देंगे। विकास की हर बात पर सरकार नागरिकों से कदम से कदम मिलाकर काम करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों के खाते में 1500 रूपये की राशि अंतरित की जायेगी। जिसमें योजना की तय राशि 1250 रूपये के अलावा 250 रूपये रक्षाबंधन पर उपहार के रूप में दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से अगले पांच साल में हम मध्यप्रदेश की तस्वीर बदल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रायसेन जिले की बरेली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों सहित कुल 138.96 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने चयनित हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पौधरोपण भी किया।

सीएम ने कहा कि कोई अमेरिका माता की जय नहीं करता, कोई इंग्लैंड माता की जय नहीं करता, पर विश्व का पहला ऐसा देश भारत है। जहां पर भारत माता की जय कहा जाता है। बहनों का आशीर्वाद मिले, जिंदगी धन्य हो जाए। इससे बढ़कर क्या चाहिए। हमारे यहां तो मातृ प्रधान शक्ति हजारों साल से बहनों को गौरवान्वित करता है।

बरेली विकास के पथ पर है अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के साथ बरेली क्षेत्र पर छींद वाले हनुमान जी महाराज की असीम कृपा है। कृषि संपन्न बरेली क्षेत्र भी विकास के पथ पर अग्रसर है।

अगले तीन सालों में किसानों को बिजली बिल से कर देंगे मुक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को 5 रुपए में बिजली कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार की कोशिश है कि अगले 3 सालों में हम किसानों को बिजली बिल से पूरी तरह मुक्त कर देंगे।

युवाओं के लिए इंटर्नशिप में सहायता देगी सरकार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने किसान परिवार के बेरोजगार युवाओं को इंटर्नशिप दिलाने की अभिनव योजना की शुरुआत की है। इससे जुड़े युवाओं को कौशल उन्नयन के साथ ही 3000 रुपए प्रति महीना आर्थिक लाभ भी दिया जा रहा है। हम इस की सराहना करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि ऐसी योजना में इंटर्नशिप की सहायता राशि अब राज्य सरकार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है। हम युवाओं को काम दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यमंत्री श्री पटेल एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि बरेली में स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। उदयपुरा विधानसभा में बारना और जामगढ़ सिंचाई परियोजना का क्रियान्वयन शीघ्र शुरू होगा। बरेली नगर परिषद को अब नगर पालिका बनाया जाएगा। बरेली में पशु चिकित्सालय के नये भवन सहित बरेली क्षेत्र के छींद, बापौली और उदयपुरा क्षेत्र के सभी देवस्थानों में जरूरी विकास कार्य पूर्ण किए जाएंगे।

इस अवसर पर नर्मदापुरम सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, जबलपुर सांसद श्री आशीष दुबे, पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह, श्री राकेश शर्मा, पूर्व विधायकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीणजन उपस्थित थे।

इजरायल-ईरान में भीषण जंग

- इजरायल का दावा- ईरानी एयरस्पेस पर हमारा कंट्रोल

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच 13 जून से लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार को दावा किया कि उसने ईरान के एयरस्पेस को पूरी तरह अपने काबू में कर लिया है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पश्चिमी ईरान से लेकर राजधानी तेहरान तक आसमान पर अब इजराइली एयरफोर्स का कंट्रोल है।

इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। ईरान में भगदड़ जैसी स्थिति है और हाइवे जाम हो रहे हैं। लोग घर छोड़ भाग रहे हैं।

छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी।

सदानीरा

सांस्कृतिक पुनर्जागरण 'सदानीरा समागम' 20 जून से, मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल। सांस्कृतिक पुनर्जागरण के 6 दिनी महत प्रयास 'सदानीरा समागम' का आयोजन भोपाल के भारत भवन में होने जा रहा है। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 20 जून की शाम 6 बजे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। 25 जून तक चलने वाले इस समागम में प्रवाह फिल्म समारोह, लय, ताल और जल पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम,नदी आधारित कविताओं का पुनर्पाठ नदीनामा, प्रकाशन लोकार्पण, जल संरक्षण व संवर्धन पर आधारित प्रदर्शनियां व कार्यशालाएं संयोजित की जाएंगी। जिसमें देश के ख्यात अभिनेता, कलाकार, विशेषज्ञ सहभागी होंगे।

यह जानकारी वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का 'जल संवर्धन अभियान एक महत्वाकांक्षी पहल है। इसके अंतर्गत विगत वर्ष से प्रदेश की नदियां, जलाशयों, प्राचीन जलस्त्रोतों, जल संरचनाओं को संरक्षित, सर्वर्द्धित एवं पुनरोद्धार के साथ आम लोगों को भी इससे जोड़ा गया है। इसी क्रम में 20 से 25 जून तक भारत भवन में सदानीरा समागम का आयोजन किया गया है। क्योंकि भारत भवन विचार, कला और जल संवेदना का एक समकालीन संगम है।

आयोजन की विस्तार से जानकारी देते हुए श्रीराम तिवारी ने कहा कि समागम के पहले दिन 20 जून को शाम 6:30 बजे 'सदानीरा और अमृतस्य नर्मदा' फिल्म का प्रदर्शन होगा। साथ ही 'साउंड ऑफ रिवर' के तहत स्मिता नागदेव व राहल शर्मा संगीत और कविता की प्रस्तुति देंगे। उसके पश्चात'हमनवा' के तहत नृत्य नाटिका 'तीस्ता और गोदावरी' की प्रस्तुति पुणे की शमा भाटे देंगी। 21 जून को अभिरंग सभागार में सुबह 10 बजे प्रवाह' कार्यक्रम के तहत जल एकाग्र डाक्यूड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन होगा।

इसी दिन शाम 6:30 बजे नदीनामा के अंतर्गत नदी आधारित कविताओं का पुनर्पाठ होगा। जिसमें करन राजदान, राजीव वर्मा, अन्नू कपूर, पीयूष मिश्रा, सीमा कपूर, डॉ. संतोष चौबे, नवनीत परिहार, स्वप्निल कोठारी, कविता पाठ करेंगे। समन्वय विनय उपाध्याय करेंगे। साथ ही निशब्द भेदा के अंतर्गत जलीय जीवन पर एकाग्र नृत्य नाटिका पुणे की शमा भाटे प्रस्तुत करेंगी।

22 जून को अभिरंग सभागार में सुबह 10 बजे प्रवाह में जल एकाग्र डाक्यूड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन होगा। इसी दिन शाम 6:30 बजे जानकी बैंड त्रिलोक जबलपुर की तथा प्राणे जलम् में नई दिल्ली की गीता चंद्रन नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी।

23 जून को अंतरंग सभागार में शाम 6:30 बजे अथ नदी कथा' के अंतर्गत जलीय जीवों एवं जल संरचनाओं पर एकाग्र वैचारिक समागम होगा। इसमे मौलिक सिसोदिया, संजय सिंह, डॉ. इंद्रा खुराना, अतुल तारे, नागार्जुन गौडा, डॉ. संतोष चौबे, अभिलाष खांडेकर, अजय बोकिल, डॉ. शिवाकांत वाजपेयी, डॉ. रमेश यादव, डॉ. राजेश शर्मा, आरोह श्रीवास्तव, योगी अनुराग, शशिप्रभा तिवारी, शिवकेश मिश्रा, मीना जांगिड भाग लेंगीं। विमर्श संवाहक होंगे माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी तथा पत्रकार ब्रजेश राजपूत।

25 जून को अंतरंग सभागार में शाम 6:30 बजे पुरबिया के तहत डॉ.रीता देव एवं पंडित भोलानाथ मिश्र बनारस का उपशास्त्रीय गायन होगा तथा जीवनम् में कोलकाता की बिम्बावती देवी मणिपुरी शैली में नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी

इसी अमृतस्य नर्मदा में राजेन्द्र जांगले के छाया चित्रों की प्रदर्शनी, जलचर के अंतर्गत जलीय जीवन के प्राण तत्व में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बरकतुल्ला विवि, क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय द्वारा प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसी दिन मप्र में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत जनसंपर्क विभाग और मप्र की बावड़ियों पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय प्रदर्शनी लगाएंगे।

इसके अतिरिक्त अंतिम दिन कार्यशालाएं होंगी। इनमें जल, जंगल, जीवनः जनजातीय स्मृतियों का छातों और घड़ों पर चित्रांकन का प्रदर्शन तथा जलरंग चित्रांकन के अंतर्गत देश के ख्यात कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। इनमें अनुराग मेहता उदयपुर, विवेक प्रभु कुलस्कर मुंबई,सागर श्रीवास्तव झांसी, अमोल पवार मुंबई, सपना रायकवार उज्जैन, अभिषेक आचार्य मुंबई, जुगल सरकार कोलकाता, देवीलाल पाटीदार भोपाल, निखिल खत्री सीहोर, गोविंद विश्वकर्मा भोपाल एवं रामसूर्यभान भांगड़ संभाजीनगर भागीदारी करेंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 41 °c

न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 17 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अमरोहा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 5 महिलाओं की मौत

- शव ऐसे जले कि पहचानना मुश्किल, टीन पर रखकर गत्ते से ढका, 9 गंभीर

अमरोहा (एजेंसी)। अमरोहा में एक पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर 12.30 बजे भीषण ब्लास्ट हो गया। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहीं 5 महिलाओं की मौत हो गई है। जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गया है, जहां कई की हालत नाजुक है। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की इमारत और टीनशेड पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। महिलाओं के शव इस कदर जल गए कि उनकी पहचान करना मुश्किल है। धमाके के बाद शव इधर-उधर बिखर गए। शवों का इकट्ठा करके फैक्ट्री के बाहर टीन पर रख दिया और उसे गत्ते से ढक दिया।

डीएम ने कहा- 5 महिलाओं की मौत, 6 महिलाएं गंभीर- डीएम निधि गुप्ता ने बताया फैक्ट्री के पास पटाखा बनाने का लाइसेंस था। अब तक 5 महिलाओं की मौत हुई है जबकि 6 महिलाएं गंभीर घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जांच के लिए एडीएम की अध्यक्षता में समिति की गठित की गई है।

देशभर के कई इलाकों में जियो डाउन

- न कॉल लग रही है न चल रहा इंटरनेट; हजारों यूजर्स रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के कई इलाकों में रिलायंस जियो के डाउन होने की खबर है। हजारों यूजर्स को आज नेटवर्क समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों को मोबाइल इंटरनेट एक्सेस करने में दिक्कत आ रही है तो कुछ कॉल और जियो फाइबर सर्विस का इस्तेमाल करने में समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। आउटेज-ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर पर भी हाल ही में 11 हजार से ज्यादा यूजर्स ने जियो के डाउन होने की जानकारी दी है।

56 प्रतिशत यूजर्स को इंटरनेट इस्तेमाल में आ रही दिक्कत- जानकारी के अनुसार, लगभग 56 परसेंट यूजर्स मोबाइल इंटरनेट समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जबकि 32 परसेंट यूजर्स ने कॉलिंग में आ रही समस्या की शिकायत की है। इसके अलावा 12 परसेंट यूजर्स ने जियोफाइबर में आ रही समस्या की शिकायत की है।

एक घंटे में 12,000 से ज्यादा रिपोर्ट- वहीं, डाउनडिटेक्टर के आंकड़ों के मुताबिक नेटवर्क की समस्या दोपहर 1:45 बजे के आसपास से शुरू हुई जब लगभग 400 यूजर्स ने जियो की सर्विस में आ रही समस्या की शिकायत की।

24 घंटे में तीन बार आसमान में मची दहशत

दो विमानों को लेना पड़ा यू-टर्न, एक की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 24 घंटों में हवाई यात्रा करने वालों के लिए कुछ बेहद ही डरावनी खबरें आईं। तीन विमानों के साथ हवा में ही कुछ दिक्कतें आईं। दो विमानों को बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। एक विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। ये सब तब हो रहा है, जब लोग पहले से ही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 के हादसे से सहमे हुए हैं। उस हादसे में 279 लोग मारे गए थे, जिनमें 241 विमान यात्री थे। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद एयर पोर्ट से टेकऑफ होते ही क्रैश हो गया था।

ब्रिटिश लड़ाकू विमान को केरल में इमरजेंसी में उतरना पड़ा

पहली घटना में, एक ब्रिटिश लड़ाकू विमान को केरल में इमरजेंसी में उतरना पड़ा। कहा गया कि उसमें ईंधन कम था।

लुफ्थांसा की एक फ्लाइट बम की धमकी के चलते वापस लौटी

दूसरी घटना में, लुफ्थांसा की एक फ्लाइट को बम की धमकी के बाद फ्रैंकफर्ट वापस लौटना पड़ा। यह फ्लाइट हैदराबाद जा रही थी।

एयर इंडिया की एक फ्लाइट बीच रास्ते से ही हांगकांग वापस लौटी

तीसरी घटना में, एयर इंडिया की एक फ्लाइट हांगकांग से दिल्ली आ रही थी। उसे तकनीकी खराबी के शक में बीच रास्ते से वापस लौट जाना पड़ा। हालांकि, इन घटनाओं में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खासकर ऐसे समय में जब हवाई यातायात बढ़ रहा है और दुनिया में तनाव भी चरम पर है। हांगकांग से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में हवा में ही कुछ दिक्कतें आने लगीं। पायलटों को लगा कि विमान में कोई तकनीकी खराबी है। इसलिए, सावधानी बरतते हुए बोइंग 787 विमान को हांगकांग से उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही वापस बुला लिया गया। विमान में 200 से ज्यादा यात्री सवार थे। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, फ्लाइट एआई-315 जो 16 जून 2025 को हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भर रही थी, तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही हांगकांग वापस लौट आई। विमान हांगकांग में सुरक्षित उतर गया है।

बीजेपी विधायक-सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग का समापन

मध्यप्रदेश का आदर्श कार्यकर्ता है, कभी मर्यादाएं नहीं तोड़ता : राजनाथ सिंह

चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है : मोहन यादव

भोपाल/पचमढ़ी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सांसद एवं विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने द्वादश सत्र को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी सांसद और विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बात सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं शासक नहीं है। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। जनता का भरोसा जीतें और हर संकट के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचें। अपनी सोच को बड़ा रखिए, अपनी दृष्टि को बड़ा कीजिए। महापुरूषों की विचारधारा को आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करें। हमारा उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, जनता की सेवा है, इसलिए हमने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं इसलिए भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी। हमारे लिए राष्ट्र निर्माण और विचारधारा सबसे प्रथम है। मध्यप्रदेश का आदर्श कार्यकर्ता है, कभी मर्यादाएं नहीं तोड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया जा सकता है।

भाजपा की यात्रा में तीन चीजें नहीं बदलीं-प्रशिक्षण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और गरीब कल्याण

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में प्रशिक्षण की परंपरा सतत और प्राचीन है। यह पार्टी की कार्यशैली का अंग है। आज भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी एक अलग पहचान है। लेकिन पार्टी की इस विकास यात्रा में तीन चीजें नहीं बदलीं। ये हैं-प्रशिक्षण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और गरीब कल्याण की भावना। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण वर्ग आप सभी के लिए पार्टी की वैचारिक यात्रा को समझने और आत्मसात, आत्मचिंतन करने का अवसर है। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि श्रद्धेय अटलजी ने कहा था कि सत्ता प्राप्ति का उद्देश्य सिर्फ राष्ट्रसेवा होना चाहिए।

रोंगटे खड़े करने वाला मामला आया सामने

नकली डिजिटल कोर्ट में घसीटकर 81 साल के बुजुर्ग से 2.27 करोड़ हड़पे

चेन्नई (एजेंसी)। साइबर धोखाधड़ी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे। डिजिटल धोखेबाज बड़ी संख्या में बुजुर्गों को टार्गेट कर रहे हैं। उन्हें तकनीकी जाल में फंसाया जा रहा है। भरोसे में लिया जा रहा है और फिर जितना हो सके, रकम ट्रांसफर कराई जा रही है। लगभग एक ही पैटर्न के तमाम मामले आ रहे हैं, लेकिन घटनाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई है। इस दफा चेन्नई के रहने वाले 81 वर्षीय साल के बुजुर्ग के साथ 2.27 करोड़ रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई है। उन्हें डिजिटल अरेस्ट बनाकर पैसे हड़प लिए गए। ऐसा करने के लिए आरोपियों ने बुजुर्ग को वर्चुअल कोर्ट में पेश किया है। उस नकली कोर्ट में सबकुछ फ्रॉड था। बुजुर्ग के साथ उनकी पत्नी भी शिकार हुईं। दोनों करीब डेढ़ महीने तक साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे रहे।

मांगी पैसों की जानकारी

आरोपियों ने बुजुर्ग से जानकारी मांगी कि उनके पास सभी बैंक अकाउंट्स में कितना पैसा है। बुजुर्ग को यह कहकर डराया गया कि वह और उनकी पत्नी निगरानी में हैं। उन्हें घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं है और किसी से भी इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए। इसके बाद आरोपियों ने उनसे 59 लाख रुपये एक अकाउंट में ट्रांसफर करवाए। फिर ऑनलाइन एक अदालत में शामिल होने का आदेश दिया गया। बुजुर्ग और उनकी पत्नी डिजिटल कोर्ट में पेश हुए। उस कोर्ट में नकली जज की एंट्री कराई गई। बुजुर्ग से कहा कि उन्हें उनकी पत्नी के साथ 7 दिनों की सीबीआई हिरासत में डिजिटल अरेस्ट रखा जाएगा। इस पूरे मामले पर चुप रहने के लिए कहा गया।

विजय रूपाणी को दी अंतिम विदाई

राजकोट में शाह ने स्व. रूपाणी को श्रद्धांजलि दी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हुआ था। सोमवार को उनका शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद शव चार्टर्ड प्लेन के जरिए राजकोट लाया गया। पुलिस सुरक्षा के बीच कई रास्तों से गुजरते हुए रूपाणी का पार्थिव शरीर उनके राजकोट वाले घर प्रकाश सोसाइटी (निर्मला रोड) लाया गया।

जनगणना का नोटिफिकेशन जारी

- पहला फेज अक्टूबर-2026 से चार राज्यों में, बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दी है। केंद्र सरकार दो फेज में जातीय कराएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी।

केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

यूपी में बिजली गिरने से 48 घंटे में 34 की मौत, बरेली में हाई-वे डूबा, म.प्र. में मानसून की एंट्री

लखनऊ/नईदिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में एंट्री कर ली है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। पिछली बार यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 27-28 मई को हो गई थी, ध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है।

मुंबई में मानसून की भारी बारिश की वजह से एयरलाइनों को भारी परेशानी हो रही है। हाल ही में एक अपडेट में, इंडिगो एयरलाइंस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। ऐसे में सभी यात्रियों को सलाह दी जाती है, कि वह घर से निकलने से पहले इस एडवाइजरी को जरूर पढ़ लें, ताकि आपको किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के 11 जिलों और महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी बारिश का ऑरेंज-रेड अलर्ट है।

यूपी में भी बारिश का दौर शुरू हो गया है। आज 62 जिलों में अलर्ट है। राज्य में पिछले 48 घंटे में बिजली गिरने की घटनाओं में 34 लोगों की जान गई है। बरेली में भारी बारिश से हाईवे डूब गया है।

भारत को झटका!

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला, जश्न में डूबी शहबाज शरीफ की सरकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है। इस फैसले पर पाकिस्तान में जश्न का माहौल है। पाकिस्तान का दावा है कि एफएटीएफ ने उसे ग्रे लिस्ट में डालने के भारत के प्रयासों को नजरअंदाज किया है। ऐसे में पाकिस्तान इसे खुद की जीत के तौर पर प्रस्तुत कर रहा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो सार्वजनिक तौर पर इसे पाकिस्तान की जीत और भारत की हाल के रूप में प्रस्तुत किया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। मई के शुरुआती हफ्तों में दोनों देशों के बीच सीमित संघर्ष भी

14 महीने के निचले स्तर पर आई थोक महंगाई

मई में ये 0.39 प्रतिशत रही, खाने-पीने के सामान की कीमतों में कमी आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने में थोक महंगाई दर 0.39 प्रतिशत पर आ गई है। ये इसका 14 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 प्रतिशत रही थी। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई कम हुई है। इससे पहले अप्रैल में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई थी। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर था। वहीं मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। आज यानी 16 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं

- रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई -1.44 प्रतिशत से घटकर -2.02प्रतिशत हो गई।
- खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 2.55 प्रतिशत से घटकर 1.72 प्रतिशत हो गई।
- फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -2.18 प्रतिशत से घटकर -2.27 रही।
- मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.62 प्रतिशत से घटकर 2.04 रही।

रिटेल महंगाई 6 साल के निचले स्तर पर आई- इससे पहले 12 जून को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की रिटेल महंगाई मई में 2.82 प्रतिशत पर आ गई है। ये 6 साल का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2019 में ये 2.86 प्रतिशत रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण रिटेल महंगाई घटी है। इससे पहले अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 3.16प्रतिशत पर आई गई थी।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लयूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी।

राज के चाचा और दादी भी नहीं मानते कि सोनम कभी राज से भी प्यार करेगी

दोनों का मानना है कि राज को तो सोनम ने अपने मतलब के लिए फांसा

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के मुख्य आरोपियों में शामिल राज कुशवाहा के चाचा के बयान से नया मोड़ आ गया है। चाचा भूपेंद्र ने बताया कि परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। राज की नौकरी से ही परिवार का भरण पोषण होता है। सोनम के पिता की फैक्टरी में राज नौकरी करता है। इन हालातों में सोनम और राज के बीच प्रेम प्रसंग कैसे हो सकता है! राज को सोनम किसी हालत में पसंद नहीं कर सकती, उसका तो इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से उसे फंसाया गया। वहीं, राज की दादी रामलली का कहना है कि उसका पौत्र निर्दोष है। वह ऐसा नहीं कर सकता, उसे फंसाया गया है। स्थानीय पुलिस भी गांव में राज के बारे में पूछताछ करने पहुंची थी।

आकाश राजपूत ऐसे हाथ आया

राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में शिलांग पुलिस ने जब आरोपी आकाश राजपूत (19) को उसके ललितपुर के गांव चौकी से पकड़ा था, तो सोनम रघुवंशी की भी खोजबीन की गई। शिलांग पुलिस ने महरौनी के चौकी गांव स्थित उसके घर

गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है राज

दरअसल, इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के मुख्य आरोपियों में शामिल राज कुशवाह का परिवार मूल रूप से फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाने के रामपुर गांव का रहने वाला है। परिवार की माली हालत ठीक नहीं है। सोनम के कथित प्रेमी राज की दादी ने पौत्र को फंसाए जाने की बात कही है। रामपुर गांव में राज के बाबा सूरजभान किराने की दुकान चलाते हैं। उनके दिवंगत बड़े पुत्र रामनजर सिंह उर्फ बबुआ का पुत्र राज है। दो बेटे नारेंद्र उर्फ बउवा, मुन्ना उर्फ भूपेंद्र गांव में रहते हैं। राज के पिता की ब्रेन ट्यूमर की वजह से पांच साल पहले मौत हो गई थी। राज का पिता करीब 25 साल पहले इंदौर गया था। वहां फल की आढ़त में नौकरी करता था। राज का बचपन गांव में बीता। करीब 10 साल पहले राज, उसकी मां रुपतिया व तीन बहनें इंदौर में रहने लगी थीं। कुछ समय बाद बड़ी बहन काजल गांव में आकर पढ़ाई करने लगी। राज के ननिहाल बांदा के राजापुर में शादी समारोह था। उसमें शामिल होने के लिए राज की मां और बहनें 20 दिन पहले गांव आई थीं। करीब 10 दिन राजापुर व इतने ही दिन गांव में रुकने के बाद इंदौर चली गई थीं।

का चप्पा-चप्पा तलाशने के साथ भूसे में भी खोजबीन की थी। साथ ही पुलिस परिजन से एक घंटे तक पूछते रही कि सोनम कहां है! आठ जून की रात करीब 11 बजे शिलांग पुलिस पूरे लाव लश्कर के साथ कोतवाली महरौनी के ग्राम चौकी पहुंची थी। यहां राजा रघुवंशी हत्याकांड का आरोपी आकाश कमरे में सोते हुए मिला। शिलांग पुलिस ने आकाश से पूछा कि सोनम रघुवंशी कहां है, उसे कहां छिपाया है? आकाश ने सोनम के बारे में कोई जानकारी होने से मना कर दिया था। तब परिजनों से सोनम के बारे में पूछताछ की। उन्होंने भी इनकार किया। आकाश और उसके परिजन के इनकार के बाद भी शिलांग और जनपद की पुलिस ने मकान का चप्पा-चप्पा छाना। यहां तक कि मकान के टपरे में रखे भूसे के ढेर के अंदर तक सोनम को तलाशा गया। पुलिस की यह कार्रवाई करीब एक घंटे तक चली जब पुलिस को यकीन हुआ कि सोनम यहां नहीं है, तब वे आकाश और उसके तीन परिजन को अपने साथ ले गई।

महिला के कचरा जलाने से पास खड़ी कार में आग लगी, लापरवाही कैमरे में

एक अन्य महिला ने यह सब देखा तो जानकारी दी, मामला दर्ज

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र के संचार नगर में पार्किंग में खड़ी कार में पिछले दिनों आग लग गई थी। जांच में पता चला कि आग उसी बिल्डिंग में रहने वाली एक महिला की लापरवाही से लगी थी। घटना स्थल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में आगजनी की तस्वीरें कैद होने के बाद इसका खुलासा हुआ। कार संचार नगर में मेडिकल संचालक गौरव जैन थी। इस मामले में पुलिस ने प्रशांत सागर बिल्डिंग के डी-ब्लॉक के फ्लैट नंबर 204 में रहने वाली रजनी पाहवा के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने खुले में कचरा फेंककर आग लगाई थी, जिससे कार ने आग पकड़ ली। जानकारी के अनुसार, कालूखेड़ा निवासी गौरव जैन अपनी पत्नी और नवजात बच्चे के इलाज के लिए इंदौर आए थे। उन्होंने अपनी कार (एमपी 43-सीए-7794) संचार नगर स्थित अपने भाई विशाल जैन के फ्लैट की पार्किंग में खड़ी की थी। अगली सुबह कार में अचानक आग लग गई। दमकल ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस इसे सामान्य घटना मानकर चल रही थी, तभी प्रत्यक्षदर्शी महिला सामने आ गई।

बदली जांच की दिशा- उसी बिल्डिंग में रहने वाली एक अन्य महिला के कथन ने पुलिस की जांच

की दिशा ही बदल दी। यह महिला ईद के मौके पर शहर से बाहर गई थी, जब वह लौटकर आई तो पता चला कि विशाल जैन के भाई की कार जल गई। उसने परिवार को बताया कि उस दिन सुबह उसने रजनी पाहवा को कार के पास कचरा फेंककर जलाते हुए देखा था। पीड़ित ने यह बात पुलिस को बताई और पुलिस ने बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू किया। लोगों से पूछताछ भी की तो सच्चाई सामने आ गई। फुटेज में आरोपी महिला थैलियों में भरकर कचरा ले जाते हुए दिखाई दी थी।

बेटे की मौत हुई, कार भी जली - गौरव ने बताया कि वे पत्नी के समय से पहले डिलीवरी होने के कारण इंदौर आए थे। प्री-मैच्योर बेटी और बेटे का जन्म हुआ था। दोनों की तबीयत खराब थी, इसमें इलाज के दौरान बेटे की दौरान मौत हो गई तो बेटी का आईसीयू में इलाज चल रहा है। जिस पर रोज हजारों रुपए खर्च हो रहे हैं। इस बीच कार के जलने से उन्हें आर्थिक रूप से बड़ा झटका लगा है।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल का त्रिशूल, त्रिपुण्ड और आभूषण से श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट सोमवार तड़के (4 बजे) भस्म आरती के दौरान खोले गए। पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर

भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध, दही, घी, शकर, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया। भगवान महाकाल का त्रिशूल, त्रिपुण्ड और आभूषण से श्रृंगार किया। सबसे पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश करते ही भगवान का ध्यान कर मंत्र उच्चारण के साथ हरिओम का जल अर्पित किया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग, चन्दन और त्रिपुण्ड अर्पित कर श्रृंगार किया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म अर्पित की। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की। भगवान महाकाल ने मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण किए। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

यूपीआई ट्रांजेक्शन से पिता-पुत्र ने निकाल लिए 64 लाख रुपए

गुजरात के वलसाड में रहने वाले पिता-पुत्र पर केस दर्ज

इंदौर। अब तक ठग आमजनों, प्रबुद्धजनों को ही अपना निशाना बनाते थे, लेकिन पिता-पुत्र ने तो ठगी की हद कर दी। उन्होंने जिला कोर्ट परिसर स्थित एसबीआई ब्रांच से कोर्ट से जुड़े खातों से यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए 64 लाख रुपए निकाल लिए। बैंक के अधिकारियों को जब रकम कम होने का मैसेज मिला तो जांच में बड़ा फजीर्वाड़ा उजागर हुआ। एमजी रोड पुलिस को बैंक मैनेजर पुनीत तिवारी ने बताया कि जिला कोर्ट के कई खाते एसबीआई की इसी शाखा में संचालित होते हैं। हाल ही में एडीजे कोर्ट के खाते से कोर्ट वाउचर के माध्यम से 6 लाख 50 हजार रुपए का भुगतान होना था, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने का मैसेज मिला। जब खाता जांचा गया तो पता चला कि मार्च से 11 जून 2025 के बीच कोर्ट के खाते से 64 लाख रुपए फर्जी तरीके से निकाले जा चुके हैं। यह पूरी राशि गुजरात के वलसाड में बैंक खाते में ट्रांसफर की गई है। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि जिन नंबरों से ये ट्रांजेक्शन हुए, वे साहिल उर्फ साजिद रंगरेज और उसके पिता साजिद अब्दुल सत्तार के मोबाइल से जुड़े हैं। हालांकि, बैंक खाता किसी और के नाम पर है, लेकिन वह मोबाइल नंबर इन्हीं पिता-पुत्र से जुड़ा हुआ है। बैंक की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ठगी का पूरा नेटवर्क पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की एक टीम वलसाड (गुजरात) रवाना हो चुकी है। पुलिस की टीम आरोपी पिता पुत्र को पकड़ने वलसाड रवाना हुई है। दोनों के पकड़ाने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

कार शोरूम में घुसे चोर, 10 लाख ले गए

चोरों ने डॉग को किया बेहोश फिर ताले तोड़े

इंदौर(एजेंसी)। दो अज्ञात चोरों ने रविवार रात इंदौर के कनाडिया क्षेत्र स्थित एक कार शोरूम में सेंध लगाई और लॉकर में रखे 10 लाख लेकर फरार हो गए। शोरूम में घुसने से पहले चोरों ने डॉग को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया और फिर पीछे के रास्ते से अंदर घुसे। शोरूम के मालिक को घटना की जानकारी सोमवार सुबह मिली। पिपल्याराव इलाके में स्थित प्रिंस हुंडई शोरूम के मालिक रितेश बदवानी ने बताया कि उन्हें सोमवार सुबह सुरक्षा गार्ड ने ताले टूटे होने की सूचना दी। मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि चोरों ने केबिन में रखे लॉकर को तोड़कर उसमें रखी नगदी चुरा ली।

सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों को तलाश रही पुलिस- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शोरूम में तैनात सुरक्षा गार्ड के साथ एक जर्मन शैपर्ड डॉग भी मौजूद था, जिसे चोरों ने खाने की किसी वस्तु में नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर दिया। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही एफएसएल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। तिलक नगर पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सेंट्रल जेल आकर महिला कैदियों से मिली

महिला कैदियों को लेकर भविष्य के कार्यक्रम की मीडिया को जानकारी

इंदौर। सेंट्रल जेल में लगातार महिला और पुरुष कैदियों के लिए सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य है कि जेल से रिहा होने के बाद वे अपना बचा जीवन बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें। बंदियों के कार्यों और उनकी सुविधाओं को देखने कई अधिकारी जेल का निरीक्षण करते हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डॉ अर्चना मजूमदार ने जेल अधीक्षक अलका सोनकर के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान महिला आयोग की सदस्य ने महिला बंदियों से उनके पूर्व तथा वर्तमान सुधार की प्रवृत्तियों पर बातचीत की। जेल अधीक्षक ने आयोग की सदस्य को महिला बंदियों के लिए किया जा रहे सुधारात्मक उपाय, विधिक सहायता और सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। सदस्य को महिला बंदियों के कौशल विकास के लिए संचालित हैंडलूम प्रशिक्षण केंद्र, हैंडलूम छपाई केंद्र का निरीक्षण कराया। महिला बंदियों तैयार किए गए हैंडीक्राफ्ट सदस्य को उपहार स्वरूप दिया गया। विधिक सहायता प्राधिकरण के सदस्यों भी इस दौरे में उनके साथ रहे। डॉ अर्चना मजूमदार ने कहा कि देश में विभिन्न जगहों पर काउंसलिंग सेंटर खोले जाएंगे, जहां पर शादी से पहले महिला और पुरुष में किस तरह की

समानता है उसको चेक किया जाए। उन्होंने कहा कि यह काम प्रक्रिया में है, जल्द ही ये सेंटर काम करना शुरू कर देंगे। मुस्कान और सोनम जैसी वारदात पर उनका कहना था कि इस पर बोलने का कोई फायदा नहीं है। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ने जेल में महिलाओं की स्थिति और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज जेल में महिलाओं की स्थिति क्या है और उन्हें किस तरह की सुविधाएं दी जा रही, इसे लेकर जेल का निरीक्षण किया है। इससे पहले हमने उज्जैन जेल का भी दौरा किया था। दोनों ही जेल में काफी अच्छी व्यवस्था है, लेकिन दोनों जेलों में कुछ खामियां भी नजर आई। उसे लेकर हमने जेल प्रबंधक को लिखा है।

घरेलू हिंसा के कारण जेल में- दोनों जेलों में 90त्न महिलाएं घरेलू हिंसा के मामलों में बंद हैं। जेल में हर तरह के कैदी रहते हैं। लेकिन, सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा के सामने आ रहे हैं। इसमें हमें क्या कार्रवाई करनी है, ताकि उन्हें यहां तक पहुंचने से पहले रोका जा सके। उसके लिए क्या प्रयास करना चाहिए, चर्चा करना चाहिए। यह चर्चा काफी जरूरी है।

काउंसलिंग सेंटर खोले जाएंगे - राष्ट्रीय महिला आयोग देशभर में केंद्र खोलने जा रहा है। इसमें शादी के इच्छुक युवक, युवतियों की काउंसलिंग कराएंगे। वहां देखेंगे कि उनकी मानसिकता, उनकी सोच और एक दूसरे को बर्दाश्त करने का मेल है कि नहीं। अगर नहीं है, तो शादी के 2 साल बाद वही होगा जो हम देख रहे हैं। शादी के बाद कोई भी नहीं सोचता कि मर्डर करें और जेल में रहें। इस तरह की घटनाओं को रोकना सामाजिक रूप से हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए जो कुछ भी करना है राष्ट्रीय महिला आयोग करेगा।

साइकोथेरेपी की कार्यशाला लगेगी - डॉ मजूमदार ने कहा कि हमने जेल में बंद कुछ महिलाओं से बात की। महिलाओं में इस तरह के कृत्य करने की हिम्मत कहां से आ रही है, इसको समझना पड़ेगा। इसे लेकर जेल के अंदर साइकोथेरेपी सहित तमाम तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में सेंट्रल जेल को लिखा गया है।

दिन का तापमान 3 डिग्री लुढ़का

5 दिनों बाद तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पर; आज तेज आंधी- बारिश के आसार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में 24 घंटे में दिन का तापमान 3 डिग्री गिरकर 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पांच दिनों बाद दिन का तापमान सामान्य स्तर पर आ गया है, लेकिन उमस में कोई खास अंतर नहीं आया है, जिससे लोग हलाकान हैं। सोमवार सुबह बादल छाए थे, लेकिन बाद में धूप निकल आई। मौसम वैज्ञानिकों ने आज तेज आंधी और बारिश के आसार जताए हैं। प्रदेश में अगले 48 घंटों के भीतर मानसून के प्रवेश की संभावना है। अभी दिन और रात का तापमान उलट चल रहा है। रविवार को दिन के तापमान में

जहां 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, वहीं रात का तापमान 3 डिग्री बढ़कर 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। इससे रात के समय भी गर्मी महसूस की गई। सामान्यतः 1 जून से मानसून सक्रिय हो जाता है, लेकिन जून के शुरुआती 15 दिन बीत जाने के बावजूद अब तक केवल 13.4 मिमी बारिश ही हुई है।

इस महीने का कोटा पूरा करने के लिए अब भी करीब 4.5 इंच बारिश की आवश्यकता है।

इंदौर में इंजीनियरिंग स्टूडेंट ने किया सुसाइड

मानसिक तनाव से जूझ रहा था, दो महीने से चल रहा था इलाज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चंदन नगर इलाके में रहने वाले इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे 20 वर्षीय छात्र वासुदेव शर्मा ने सोमवार अलसुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र बीते दो महीने से डिप्रेशन से जूझ रहा था और उसका मानसिक उपचार भी चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि आखिरी बार वासुदेव ने किससे बात की थी। मोबाइल की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस के अनुसार, राज नगर निवासी वासुदेव, मुरलीधर शर्मा का छोटा बेटा था और वह चमेली देवी कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रहा था। इस साल वह थर्ड ईयर में गया था। सोमवार सुबह जब मां उठीं तो उन्होंने वासुदेव को कमरे में फंदे पर लटका पाया। आनन-फानन में परिवार उसे क्लॉथ मार्केट स्थित डॉक्टर के पास ले गया, जहां से डॉक्टर ने उसे

एमवाय अस्पताल भेज दिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

बड़े भाई के साथ सोता था वासुदेव- परिजनों ने बताया कि वासुदेव बीते कुछ समय से तनाव में था। वह ठीक से खाना-पीना नहीं ले रहा था और उसे भूलने की आदत भी हो गई थी। पिता मुरलीधर मनोचिकित्सक से उसका उपचार करवा रहे थे। बड़े भाई गणेश ने बताया कि वासुदेव रात में उनके साथ ही कमरे में सोता था, लेकिन रविवार रात वह हॉल में जाकर सो गया था। इसी दौरान यह घटना हो गई। गणेश भी इंजीनियर है और उसे सिरपुर के पास निजी कंपनी में नौकरी मिली है। सोमवार को उसे ज्वाइन करना था।

निजी कंपनी में नौकरी करने वाली रजनी ने किया सुसाइड

आजाद नगर में रहने वाली रजनी (23) पुत्री दिलीप शेरवानी निवासी मूसाखेड़ी ने फांसी लगाकर रविवार को सुसाइड कर लिया। परिवार ने बताया कि वह घर पर मोबाइल चला रही थी। कुछ देर बाद मां ने कमरे में आकर देखा तो बेटी फंदे पर लटकी थी। रजनी निजी कंपनी में नौकरी करती थी। वहीं पिता हलवाई का काम करते हैं। परिवार में दो बहनें और एक भाई है। पुलिस के मुताबिक किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में मर्ग कायम किया है।

जिला पर्यवेक्षक की सांवेर मीटिंग में हंगामा

दूसरे ब्लॉक के कार्यकर्ता देख भड़कीं अध्यक्ष पद की दावेदार, बैरंग लौटाया

इंदौर (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आब्जर्वर व विधायक दानिश अबरार आज देपालपुर में जिला कांग्रेस कमेटी संगठन सृजन अभियान की बैठक ले रहे हैं। यहां वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ चार बैठकें करेंगे। अबरार महू, राऊ और सांवेर में बैठकें कर चुके हैं। कार्यकर्ताओं के साथ रायशुमारी की आज उनकी अंतिम बैठक है। वहीं सांवेर में रविवार को बैठक के दौरान जिला कांग्रेस के पर्यवेक्षक के सामने हंगामा हो गया था। यह हंगामा दूसरे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को इस बैठक में बुलाए जाने के कारण हुआ। इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के लिए कार्यकर्ताओं की राय जानने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक दानिश अबरार ने कल सांवेर के खुड़ैल ब्लॉक की बैठक की थी। इसमें बड़ी संख्या में ग्राम सोनवाय, सनावदिया व राऊ के कार्यकर्ता पहुंच गए। यह कार्यकर्ता जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मनीष पटेल, दौलत पटेल और पुनीत पारिया का समर्थन

करने पहुंचे थे।

रीना बौरासी सेतिया ने ली आपत्ति- बैठक में जैसे ही यह कार्यकर्ता आगे आने लगे वैसे ही अध्यक्ष पद की दावेदार रीना बौरासी सेतिया ने आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि दूसरे क्षेत्र के लोग इस ब्लॉक में कैसे आ गए हैं। उनके आपत्ति लेते ही बैठक में हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद पर्यवेक्षक द्वारा जब जानकारी ली गई तो दूसरे क्षेत्र से आए कार्यकर्ताओं को बैरंग वापस भेजा गया।

भोपाल-दिल्ली से नियुक्त नहीं होंगे जिला अध्यक्ष- इंदौर में आब्जर्वर व विधायक दानिश अबरार ने कहा कि अब से जिला कांग्रेस का अध्यक्ष सीधे भोपाल और दिल्ली से नियुक्त नहीं किया जाएगा।

अब जिला कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का अधिकार कांग्रेस के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को दिया है। मैं जिला अध्यक्ष के चयन के लिए आप सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर अपनी रिपोर्ट हाईकमान को भेजूंगा। अबरार कल मंगलवार को सभी पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अबरार के साथ इस दौरान कैलाश परमार, अविनाश भार्गव और राहुल शर्मा मौजूद रहेंगे।

पिता के दोस्त ने की बच्ची से छेड़छाड़

बाजार ले जाने के बहाने सुनसान गली में ले गया; रोने पर धमकाया, घर के बाहर छोड़कर भागा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक 11 साल की बच्ची के साथ उसके पिता के पुराने दोस्त ने बाइक पर बाहर ले जाकर छेड़छाड़ की। घटना के बाद डरी-सहमी बच्ची ने घर लौटते ही मां को रोते हुए पूरी बात बताई। पुलिस ने आरोपी त्रिलोक नाथ के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है।

कहा- किसी को बताया तो अंजाम बुरा होगा- पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मां ने रविवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि त्रिलोक नाथ उनके पति का दोस्त है, जो पहले साथ काम करता था और अक्सर घर आता-जाता था। रविवार को वह उनकी 11 साल की बेटी और दो छोटे बेटों को बाइक पर बिठाकर किराने की चीजें दिलाने के बहाने बाहर ले गया।

करीब 15 मिनट बाद लौटा तो बेटी बाइक से उतरते ही रोने लगी। जब मां ने पूछा तो बच्ची ने बताया कि त्रिलोक उसे सुनसान गली में ले गया और गंदी हरकतें कीं। वह डर के मारे रोने लगी तो त्रिलोक उसे धमकाते हुए वापस बाइक पर बिठाकर किराना दुकान ले गया। जाते-जाते धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो अच्छा नहीं होगा।

संपादकीय

ईरान में फंसे भारतीय छात्र

इजराइल और ईरान के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच ईरान और इजराइल में पढ़ने के लिए हजारों भारतीय छात्र फंस गए हैं और भारत सरकार से उन्हें सुरक्षित निकालने की गुहार कर रहे हैं। यह वाकई चिंता का विषय है। हालांकि इन दोनों देशों में भारतीय दूतावास छात्रों के संपर्क में हैं और उनसे कहा गया है कि वो यथा संभव सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। लेकिन वहां जो हालात हैं, उसमे कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। अकेले ईरान में भारत के करीब डेढ़ हजार छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं। वहां इजराइली हमलों के बाद उनकी जान पर बन आई है। लगातार हो रहे मिसाइल हमलों और विस्फोटों के कारण इन छात्रों में डर बढ़ता जा रहा है और वो स्वाभाविक भी है। जब खुद ईरानी नागरिक और सैन्य अधिकारी ही सुरक्षित नहीं है तो भारतीय छात्रों की चिंता वहां कौन करेगा। भारतीय छात्रों में भी बड़ी संख्या जम्मू कश्मीर के छात्रों की है, जो यहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। उनका कहना है कि वो तीन रात से सोए नहीं हैं। चारों ओर दहशत का माहौल है। उन्हें सम्बन्धित विश्वविद्यालयों से भी मदद नहीं मिल रही है। छात्रों का यह भी कहना है कि इसके पहले कि हालात और बिगड़ें भारत सरकार हमे यहां से सुरक्षित बाहर निकाले। हम जल्द से जल्द घर पहुंचना चाहते हैं। उधर जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस ने भी भारत सरकार ने ईरान से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने की अपील की है। इस बीच राजधानी तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से घर के अंदर रहने और आधिकारिक चैनलों पर ध्यान देने को कहा है। उन्हें हर अपडेट के लिए टेलीग्राम लिंक से जुड़ने की सलाह दी गई है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन भी जारी की हैं। बताया जाता है कि ईरान में वर्तमान में 90 हजार से अधिक भारतीय छात्र अलग अलग संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। दूसरी तरफ इजराइल में अध्ययनरत भारतीय छात्रों की संख्या ईरान की तुलना में काफी कम है। इजराइल में इनकी संख्या करीब 1 हजार बताई जा रही है। खतरा वहां भी है, लेकिन जैसी अफरातफरी ईरान में मची है, उसकी तुलना में इजराइल में भयमिश्रित शांति है। अब सवाल यह है कि लगातार हो रहे हवाई हमलों के बीच भारतीय छात्रों को निकालना भी आसान नहीं है। हालांकि भारत सरकार ने पहले भी संकटग्रस्त देशों से अपने छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित निकाला है। लेकिन ईरान की स्थिति ज्यादा विकट है। उससे लगे दो देशों इराक और आर्मीनिया के जरिए भारतीय छात्रों को निकाला जा सकता है, क्योंकि ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर रखा है। यूक्रेन से भी भारतीय छात्रों को इसी तरह से निकाला गया था। संभव है कि भारतीय विदेश मंत्रालय हालात जल्द बेहतर होने की उम्मीद कर रहा हो। लेकिन ईरान इजराइल युद्ध जिस दिशा में जा रहा है, उससे नहीं लगता कि इसका जल्द अंत होगा। इसका कारण यह है कि मामला अब ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि इजराइल और अमेरिका ईरान में कट्टरपंथी खोमेनेई सरकार का शासन ही खत्म करना चाहते हैं और उसकी जगह अपनी कठपुतली सरकार बिठाना चाहते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका की इस योजना को ईरान में कितना समर्थन मिलेगा। क्योंकि कट्टरपंथी इस्लामिक शासन से आम ईरानी त्रस्त तो हैं, लेकिन ये बड़ी बगावत में बदलेगा, अभी कहना मुश्कियल है। वैसे भी सत्ता पर खोमेनेई की पकड़ कम हुई हो, ऐसा लगता नहीं है। लेकिन वहां हालात जल्द सुधरेंगे, इसके भी संकेत नहीं हैं।

नफरत की आँच पर सुलगती दुनिया

रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ 2022 में हुआ था, जब यूक्रेन के पश्चिमी झुकाव और नाटो की बढ़ती सक्रियता ने रूस को उत्तेजित कर दिया। यह युद्ध केवल दो देशों की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों बनाम रूस के शीतयुद्ध के छाया-प्रसार की पुनरावृत्ति है। इसके परिणामस्वरूप न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों की मृत्यु हुई, बल्कि यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति चरमरा गई। खाद्यान्न संकट ने अफ्रीकी और एशियाई देशों में महंगाई की चिंगारी सुलगाई। रूस, जो विश्व के प्रमुख उर्वरक और गैस निर्यातकों में से है, उस पर लगे प्रतिबंधों ने वैश्विक कृषि उत्पादन को प्रभावित किया। युद्ध की यह आग केवल यूक्रेन की धरती पर नहीं जल रही, बल्कि पूरी दुनिया इसकी तपिश से झुलस रही है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

जब विज्ञान के चरम पर पहुंची मानवता को लगा कि उसने युद्धों को इतिहास की गहराइयों में दफना दिया है, तभी रक्त से लथपथ वर्तमान ने यह प्रमाणित कर दिया कि सभ्यता के आवरण के नीचे अब भी हिंसा की चिंगारियाँ धधक रही हैं। चारों ओर भय, अस्थिरता और सत्ता की प्यास ने संसार को बारूद के मुहाने पर ला खड़ा किया है। रूस-यूक्रेन से लेकर इज़रायल-ईरान, भारत-पाकिस्तान से होते हुए बांग्लादेश तक, हर भूभाग जैसे अपने ही विनाश की पटकथा लिख रहा है।

विश्व की धरती नफ़रत की राख में लिपटी हुई प्रतीत हो रही है और उसके ऊपर सत्तालोलुपता, धार्मिक उन्माद, असहिष्णुता और कूटनीतिक अहंकार की आँधी चल रही है। रूसी टैंक यूक्रेन की सीमाओं को कुचलते हुए तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, तो वहीं इज़रायल- फिलिस्तीन का दशकों पुराना घाव और अधिक रक्तरंजित होता जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के संबंधों की तलवार किसी पुराने रणबांकुरे की तरह दीवार पर टंगी तो है, पर किसी भी क्षण म्यान से बाहर आने को आतुर प्रतीत होती है। चीन की चालबाज़ियाँ, अफगानिस्तान का तालिबानी अंधकार, बांग्लादेश और म्यांमार में अस्थिर लोकतंत्र की कराह, ये सब मिलकर यह चित्र निर्मित कर रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर विश्वयुद्ध की कगार पर आ खड़ी हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ 2022 में हुआ था, जब यूक्रेन के पश्चिमी झुकाव और नाटो की बढ़ती सक्रियता ने रूस को उत्तेजित कर दिया। यह युद्ध केवल दो देशों की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों बनाम रूस के शीतयुद्ध के छाया-प्रसार की पुनरावृत्ति है। इसके परिणामस्वरूप न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों की मृत्यु हुई, बल्कि यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति चरमरा गई। खाद्यान्न संकट ने अफ्रीकी और एशियाई देशों में महंगाई की चिंगारी सुलगाई। रूस, जो विश्व के प्रमुख उर्वरक और गैस निर्यातकों में से है, उस पर लगे प्रतिबंधों ने वैश्विक कृषि उत्पादन को प्रभावित किया। युद्ध की यह आग केवल यूक्रेन की धरती पर नहीं जल रही, बल्कि पूरी दुनिया इसकी तपिश से झुलस रही है।

इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का इतिहास जितना पुराना है, उतना ही त्रासदीपूर्ण भी। लेकिन 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़रायल पर हुए हमले और उसके बाद इज़रायल की बर्बर प्रतिहिंसा ने इस संघर्ष को अब एक मानवीय संकट में बदल दिया है। गाज़ा पट्टी में बमों की वर्षा, अस्पतालों की बर्बादी, बच्चों की चीखें- ये सब वैश्विक मानवता को शर्मसार कर रहे हैं। इस्लामी देशों की नाराज़गी, अमेरिका का खुला समर्थन और अब ईरान के साथ इज़रायल का टकराव इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में यह युद्ध क्षेत्रीय सीमा को लांघकर एक बड़े धार्मिक और राजनीतिक संघर्ष में तब्दील हो सकता है।

भारत, जो वर्षों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आदर्श को जीता आया है, वह भी इस वैश्विक अस्थिरता से अछूता नहीं रहा। पाकिस्तान के साथ बार-बार होते सीमाई संघर्ष, कश्मीर में आतंकवाद का पोषण, और हाल ही में पाकिस्तान की आर्थिक चरमराहट, यह सब दक्षिण एशिया में अस्थिरता को जन्म देता है। चीन की चालबाज़ी और विस्तारवादी नीति, विशेषकर अरुणाचल और लद्दाख के क्षेत्रों में, भारत को एक सतत सामरिक सतर्कता की अवस्था में रखे हुए है। डोकलाम और गलवान जैसी घटनाएँ यह सिद्ध करती हैं कि शांति केवल एक अंतराल है युद्ध की भूमिका नहीं।

बांग्लादेश में कट्टरवाद का उभार और म्यांमार में सेना द्वारा लोकतंत्र की हत्या ने भारत के पूर्वी पड़ोसी क्षेत्रों को भी अस्थिर किया है। वहाँ से होने वाले रोहिंग्या प्रवास, सीमा पर अवैध घुसपैठ और आंतरिक संघर्षों की गूंज भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भी विचलित करती रही है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में पुनः आगमन ने न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता और शिक्षा को संकट में डाला है, बल्कि एक बार फिर दक्षिण एशिया को आतंकवाद की प्रयोगशाला बनने की आशंका से ग्रस्त कर दिया है।

इस समूचे वैश्विक असंतुलन का सबसे मार्मिक पहलू है उसकी आर्थिक परछाईं, जो हर देश के घर-आंगन में पसरी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोप में गैस की कीमतें दोगुनी हो गईं, जिसका असर भारत जैसे विकासशील देशों पर भी पड़ा। तेल के दामों में बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध, बंदरगाहों पर विलंब, और व्यापारिक रेखाओं की असुरक्षा, इन सबने विश्व व्यापार को धीमा कर दिया है। भारत, जिसकी अर्थव्यवस्था आयात-निर्यात पर भारी मात्रा में निर्भर करती है, उसे न केवल महंगे कच्चे तेल का बोझ उठाना पड़ा है, बल्कि आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से घरेलू महंगाई भी बेकाबू हो गई।

ईरान-इज़रायल टकराव ने अब मध्य-पूर्व की स्थिरता को एक नई चुनौती दी है। यह क्षेत्र, जो विश्व के तेल का प्रमुख स्रोत है, यदि युद्ध की चपेट में आता है, तो पेट्रोलियम मूल्य आसमान छूने लगेंगे। भारत, जो अपने कच्चे तेल का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, वह इस स्थिति में असहाय खड़ा दिखाई देगा। साथ ही, भारतीय प्रवासी श्रमिकों की एक बड़ी संख्या जो खाड़ी देशों में कार्यरत है, उनकी सुरक्षा, रोजगार और प्रेषण (remit-tance) पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। विदेश में कार्यरत भारतीयों द्वारा भेजा गया धन भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यह प्रवाह ठप पड़ता है तो रुपया कमजोर होता है, शेयर बाजार लड़खड़ाता है और निवेशकों का मनोबल टूटता है।

इन युद्धों का एक अन्य व्यापक असर है वैश्विक खाद्य असुरक्षा पर। रूस और यूक्रेन जैसे देश गेहूं, मक्का और सूर्यमुखी तेल के प्रमुख निर्यातक हैं। इनकी आपूर्ति बाधित होने से भारत सहित कई देशों में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ीं, जिससे गरीब वर्ग पर सीधा आर्थिक प्रहार हुआ। फलतः सरकारों को खाद्य सब्सिडी बढ़ानी पड़ी, जिससे बजट असंतुलन उत्पन्न हुआ।

शस्त्रों की होड़, रक्षा बजटों में वृद्धि और सैन्य समझौतों की बहुलता ने सामाजिक योजनाओं को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। जब देश अपने संसाधनों को युद्ध की तैयारी में खर्च करने लगते हैं, तब शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं पर निवेश घटता है। भारत जैसे देश में जहाँ हर चौथा व्यक्ति गरीबी रेखा के पास या नीचे जीवन जी रहा है, वहाँ युद्धों से प्रेरित आर्थिक अनिश्चितता सामाजिक न्याय के मार्ग में एक गंभीर बाधा बनती है।

साथ ही, वैश्विक निवेश प्रवाह में भी युद्धों का असर पड़ता है। अनिश्चित भू-राजनीतिक वातावरण में निवेशक सुरक्षित स्थानों की ओर रुख करते हैं। भारत, जो पिछले वर्षों में विदेशी निवेशकों के लिए एक आशावान गंतव्य रहा, वह भी अब अमेरिका-चीन तनातनी, मध्यपूर्व में संकट और एशिया में अस्थिरता की वजह से प्रभावित हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपये की अस्थिरता, शेयर बाजार में अस्थिर प्रवृत्तियाँ और एफडीआई में कमी, ये सब संकेत हैं कि युद्ध केवल सीमा पर नहीं, अर्थव्यवस्था के हृदय में भी लड़े जा रहे हैं।

इन समस्त परिस्थितियों में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती यह है कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी भूमिका को संतुलित रखे। वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के मध्य भारत की विदेश नीति को न केवल विवेकपूर्ण, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और दीर्घदर्शी होना चाहिए। भारत को 'गुटनिरपेक्षता' की अपनी ऐतिहासिक नीति को आधुनिक संदर्भों में पुनः परिभाषित करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। रूस और अमेरिका, दोनों से संतुलित संबंध बनाए रखते हुए भारत को वैश्विक शांति की पहल में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पड़ोसी देशों के साथ संवाद, सहयोग और सांस्कृतिक कूटनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि सीमाओं पर स्थायित्व बना रहे। चीन के प्रति संयमित परंतु दृढ़ दृष्टिकोण, पाकिस्तान के प्रति आतंकवाद पर कठोर नीति और अफगानिस्तान व म्यांमार जैसे क्षेत्रों में मानवीय सहायता की भूमिका भारत को नैतिक नेतृत्व प्रदान कर सकती है। जलवायु, स्वास्थ्य और वैश्विक व्यापार जैसे मुद्दों पर भारत को 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज़ बनकर उभरना चाहिए, जिससे वह युद्ध की नहीं, समाधान की दिशा में मार्गदर्शक राष्ट्र बन सके। भारत को यदि वैश्विक नेता की भूमिका निभानी है तो उसे अहिंसा, शांति, सहयोग और विकास के मूल्यों को ही अपनी विदेश नीति का आधार बनाना होगा।

इस वैश्विक उथल-पुथल से एक सीख यह भी निकलती है कि अब समय आ गया है जब संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच को अधिक सक्षम, स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना होगा। केवल बयान जारी करने और मानवीय सहायता भेजने से विश्व युद्ध की विभीषिका नहीं रुकेगी। वैश्विक समुदाय को आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य गठबंधनों और रणनीतिक चुप्पियों से ऊपर उठकर एक साझा संकल्प लेना होगा, 'युद्ध नहीं, संवाद हो।' क्योंकि जिस धरती पर बारूद बोया जाएगा, वहाँ कभी भी समृद्धि की फसल नहीं उगेगी।

वर्तमान विश्व व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ एक ओर विनाश का रास्ता है और दूसरी ओर सह-अस्तित्व का। आवश्यकता इस बात की है कि मानवता की संकल्पशक्ति, बुद्धिजीवियों की चेतना और राजनेताओं की दूरदर्शिता- तीनों मिलकर इस बारूद के ढेर को जलने से पहले बुझा दें। क्योंकि अगला विश्व युद्ध यदि हुआ, तो वह न केवल भूगोल की सीमाओं को मिटा देगा, बल्कि सभ्यता की आत्मा को भी राख कर देगा और उस राख से कोई भविष्य जन्म नहीं ले पाएगा, केवल पश्चाताप की धूल बचेगी।

देवभूमि में असुरक्षित होती धार्मिक यात्राएं

सामयिक

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है।

रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्वधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। किस स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। निर्दोष यात्रियों की जान को जोखिम में क्यों डाला जा रहा है। पैसा कमाने की होड़ में श्रद्धालुओं को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है। सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच पड़ताल की जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली है वह हमारी व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है।

15 जून रविवार को हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में मीडिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि खराब मौसम के बाद भी निर्दोष श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में डालकर हेलीकॉप्टर को उड़ाने के अनुमति दी गई। हालांकि यह जाँच का विषय है, लेकिन सवाल उठता है कि जब मौसम खराब था फिर हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति किसने दी। जबकि मौसम की गड़बड़ी की वजह से उड़ानों को निलंबित रखा जाता है। इस मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए और निर्दोष लोगों की जान से खेलने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हम आस्था को लेकर अधिक भीरू हैं। जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ तो जरूर से ज्यादा जुटा ली जाती है, लेकिन उसके प्रबंधन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती है। आए दिन धार्मिक स्थलों पर मौत की खबरें सुर्खियां बनती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में सबसे बेहतरीन व्यवस्था का दावा किया गया था, लेकिन भीड़ प्रबंधन में लापरवाही की वजह से बड़ा हादसा हो गया।

मंदिरों और सत्संग जैसे स्थलों पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जुटा ली जाती है, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। थके-हारे लोग किसी चमत्कार में पड़कर भगदड़ के शिकार हो जाते हैं। लेकिन हम घटनाओं के बाद सबक लेना नहीं चाहते। अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए हम भीड़ अधिक से अधिक जमा कर लेते हैं, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए हमारे पास कोई संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं। इसका नतीजा होता है कि भगदड़ या दूसरी स्थिति में काफी संख्या में लोग मारे जाते हैं।

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में देश भर से लाखों लोग पहुंचते हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता अतुलनीय है। दुर्गम पहाड़ियों की चढ़ाई से होते हुए लोग बद्रीनाथ केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री पहुँचते हैं। वहां की प्राकृतिक स्थिति बेहद जटिल है। तीर्थयात्रा के दौरान बुजुर्ग और बच्चों के साथ अस्वस्थ श्रद्धालुओं को चढ़ाई पर कठिन चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। क्योंकि, पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़ने के बाद ही पवित्र मंदिरों तक पहुंचा सकता है। चढ़ाई दुर्मगम और कठिन होने से घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेनी पड़ती है।

उत्तराखंड पहाड़ों का राज्य है यहाँ हम जितनी ऊंचाई पर जाते हैं ऑक्सीजन लेवल कम होता जाता है। कई लोगों की यात्रा के दौरान मौत भी हो जाती है। ऑक्सीजन की कमी से भी जूझना पड़ता है। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन चारधाम की पूरी यात्रा जोखिम भरी होती है। जो लोग पैदल यात्रा पूरी नहीं कर सकते वे घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेते हैं। हेलीकॉप्टर जैसे महंगी सुविधा सभी यात्रियों के लिए उपलब्ध नहीं है। क्योंकि आम श्रद्धालुओं के लिए यह सस्ती और सुलभ नहीं है।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान दुर्गम पहाड़ी इलाकों और मौसम की खराबी सबसे बड़ी समस्या बनती है। जिसकी वजह से आए दिन हेलीकॉप्टर क्रैश की दुर्घटनाएं होती रहती है। उड़ान को निर्देशित करने के लिए कोई एयर ट्रैफिक कण्ट्रोल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। दूसरी तरफ हेलीकाप्टर में सिंगल इंजन होते हैं। उड़ान के दौरान कोई रडार सिस्टम नहीं होता है। कभी उड़ान भरने के बाद अचानक मौसम बिगड़ जाता है जिसकी वजह से उड़ान में दिक्क़त हो जाती है। दुर्गम और सकरी घाटियों के साथ ऊँचे-ऊँचे वृक्ष।

मौसम खराब होने की स्थिति में लैंडिंग की कोई जगह नहीं होती है, जहाँ विषम स्थिति में हेलीकॉप्टर को उतार दिया जाय। इसके अलावा हर उड़ान के समय तकनीकी जाँच होनी चाहिए, पता नहीं ऐसा होता भी रहा या नहीं। फिलहाल उड़ान पर प्रतिबन्ध लगाकर धामी सरकार ने उचित निर्णय लिया है। उड़ान भरने वाली सभी निजी कंपनियों की जाँच होनी चाहिए।

हेलीकॉप्टर हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों की जबाबदेही तय होनी चाहिए। धार्मिक यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाने चाहिए।

अब भी अनसुनी है पुरुषों की आवाज?

दृष्टिकोण

डॉ. संदीप गोहे

लेखक मनोवैज्ञानिक एवं पुरुष अधिकार कार्यकर्ता हैं।

भारतीय समाज में वर्षों से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर कई कानून बनाए गए हैं। यह जरूरी भी था, क्योंकि लंबे समय तक महिलाएं शोषण और अन्याय का शिकार रही हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, इन कानूनों का इस्तेमाल कुछ मामलों में हथियार की तरह होने लगा। आज की सच्चाई यह है कि कई पुरुष ऐसे कानूनों के दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं, जहां उनके पास अपनी बेगुनाही साबित करने से पहले ही समाज उन्हें दोषी मान लेता है। हाल ही में इंदौर का चर्चित सोनम-राजा केस सुर्खियों में रहा। शादी के कुछ ही समय बाद राजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाती है और आरोप उसकी पत्नी और उसके प्रेमी पर लगते हैं। यह हत्या एक भावनात्मक धोखे की त्रासदी है। सवाल यह है कि क्या समाज ने कभी इस घटना को उस गंभीरता से देखा, जैसी वह किसी महिला पीड़िता के मामले में देखता?

यह कोई अकेला मामला नहीं है। हर साल हजारों पुरुष घरेलू हिंसा अधिनियम, दुराचार जैसे कानूनों के तहत झूठे मामलों में फंसाए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े कहते हैं कि दहेज प्रकरण में दर्ज 80 प्रतिशत से अधिक मामलों में आरोपी दोषी साबित नहीं हुए। बावजूद इसके, आरोप लगते ही बिना जांच गिरफ्तारियां, थानों और कोर्ट-कचहरियों के चक्कर, और सबसे बड़ी सजा समाज की बेरुखी। ऐसे मामलों में पुरुष कानूनी उलझनों से जूझते हुए मानसिक रूप से टूट जाते हैं। अवसाद, आत्महत्या के विचार, सामाजिक बहिष्कार और परिवार के लोगों की बेइज्जती ये सब कुछ झेलना पड़ता है। माता-पिता और बहनें भी समाज की नजरों में कटघरे में खड़ी हो जाती हैं। इन हालातों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पुरुषों के लिए भी कोई संवैधानिक सहारा है? क्या उनके लिए कोई आयोग, कोई हेल्पलाइन या कोई काउंसलिंग सेंटर मौजूद है जो उनकी बात सुने? नहीं। देश में आज भी पुरुषों की समस्याओं को लेकर एक राष्ट्रीय मंच नहीं है। अब समय आ गया है जब इस एकतरफा सोच और कानून व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए। यदि किसी महिला के झूठे आरोपों से कोई निर्दोष पुरुष अपनी नौकरी, सम्मान और जीवन तक खो देता है, तो उस महिला पर भी सख्त कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि सभी कानून लिंग-निरपेक्ष हों, ताकि न्याय केवल एक पक्षीय न रहे। एक राष्ट्रीय पुरुष आयोग का गठन किया जाना चाहिए, जो ऐसे मामलों की सुनवाई करे। पुरुषों के लिए परामर्श केंद्र, हेल्पलाइन और पुनर्वास योजनाएं चलाई जानी चाहिए। साथ ही, मीडिया को भी अपनी भूमिका निष्पक्ष ढंग से निभानी होगी, ताकि सच को दबाया न जा सके। अब वह समय है जब यह समझा जाए कि हर पुरुष अपराधी नहीं और हर महिला पीड़िता नहीं। समाज को संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। पुरुषों की चुप्पी को उनकी सहमति समझ लेना बहुत बड़ी भूल है। उन्हें भी सुरक्षा, सम्मान और न्याय की समान आवश्यकता है। अगर आज हम इस असंतुलन को नहीं पहचान पाए, तो आने वाले समय में पुरुषों का भरोसा सिस्टम से उठ जाएगा, समाज की न्याय व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ जाएगी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

ढोंगी ढकोसलों का दरबार

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं

गाँव की चौपाल पर उस दिन बड़ी हलचल थी। लोग कह रहे थे–'गंगाराम अब संन्यासी बन गया है।' वही गंगाराम जो पहले गालियाँ देता था, बीड़ी सुलगाता था और थूकने में भी धर्म खोज लेता था। उसने अब भगवा पहन लिया था, और माथे पर तिलक ऐसा खींचा कि सीधा शिव जी के गले से निकलकर कैलाश तक पहुँच जाए। उसके चेहरे पर वैराग्य का ऐसा नकली पेंट था कि जो रोशनी में देखने पर भी असली लग जाए। अब वो हर वाक्य के बाद 'बोलिए श्रीराम!' कहता था, और बीड़ी की जगह तुलसी की माला जपता था। गाँव की औरतें अब उसे 'बाबा जी' कहतीं और वो अपना पेट अंदर खींचकर कहता–'अरे, सब माया है माया।' जबकि माया तो उसके बगल में बैठी वो विधवा थी, जो उसके वैराग्य में रात का राग ढूंढ रही थी।

बाबा गंगाराम ने शहर में एक आश्रम खोल लिया। नाम रखा–'शाश्वत आत्ममुक्ति केंद्र'। हर इतवार को सत्संग होता, जिसमें भक्तजन अपने पापों का विसर्जन चाय और नमकीन के साथ करते। बाबा जी के प्रवचनों में गीता कम, गप ज्यादा होती। लेकिन चूंकि उन्होंने भाषण में तीन बार 'द्रौपदी' और पाँच बार 'कृष्ण' का नाम लिया था, तो लोग समझते कि वो तो साक्षात वेदव्यास के वंशज हैं। बाबा हर बार कहते, 'संसार रूपी नारी का वस्त्र जब खिंचता है, तभी धर्म डगमगाता है।' और पीछे से लाइट बंद करके किसी भक्तिन का मोबाइल नंबर सेव कर लेते।

फेसबुक पर बाबा जी की प्रोफाइल पर लिखा था–'एक्स-सिनर टर्न्ड सेंट। लाइव्स इन साइलेंस। लिसन्स टू सोल।' और डीपी में उनका एक चित्र था जिसमें वे मोरपंख के नीचे आँखें मूँदकर बैठे थे, लेकिन उसी चित्र के पीछे मंदिर की दान पेटी में नजर घुसाए एक बच्चा भी दिख रहा था, जिसे सबने इग्नोर कर दिया। भक्तों के लिए बाबा जी की बायो से ज्यादा महत्वपूर्ण उनकी बायोडाटा थी–'बाबा जी विदेश में भी प्रवचन दे चुके हैं।' और वो विदेश असल में नेपाल था, जहाँ वे शादी में भोंपू बजा रहे थे, पर फोटो को सत्संग कहकर अपलोड कर दिया गया।

एक दिन गाँव में एक नाटक हुआ–'ढोंगियों का धंधा'। नाटक के अंत में गंगाराम जैसे ढोंगी बाबा की पोल खुलती है, तो लोगों ने खूब ताली बजाई। लेकिन असली बाबा गंगाराम वहीं भीड़ में बैठा था, चश्मा लगाकर, मूंगफली खाते हुए। और लोग उस पर हँसते नहीं, बल्कि कहते, 'बाबा जी, कितना सच्चा नाटक था! आपके जैसा कोई नहीं!' बाबा जी मुस्कराए, जैसे बुद्धत्व को प्राप्त कर लिया हो। उन्होंने मूंगफली का छिलका जेब में रखा, और बोले–'ध्यान रखो, ढोंग करने वाले से बड़ा कलाकार कोई नहीं होता।' सबने सिर झुका लिया, क्योंकि ढोंग जब पूज्य बन जाए, तो सवाल उठाने वाले भी ढोंगी लगने लगते हैं।

गंगाराम उर्फ बाबा अब वीआईपी बाबा हो चुका था। उनके हर सत्संग में एसी चलता, मंच पर गुलाबजल छिड़का जाता, और भक्तों की टोली में अब विधायक, डॉक्टर और रियल एस्टेट एजेंट शामिल हो चुके थे। हर सभा में वे एक ही बात कहते–'मनुष्य वही श्रेष्ठ जो दिखावा छोड़ दे।' और यह कहते वक्त उन्होंने अपनी घड़ी ठीक की जो रोलैक्स की फर्स्ट कॉपी थी। एक महिला भक्त ने सवाल किया–'बाबा जी, आपको कभी मोह नहीं होता?' बाबा बोले–'मोह मुझसे डरता है, बहन!' और फिर वही बहन एक ऑडी में बाबा जी को बैठाकर ले गई।

एक दिन बाबा जी का एक्सक्लूसिव इंटरव्यू टीवी पर आया। एंकर ने पूछा–'बाबा जी, आप सत्य के कितने करीब हैं?' बाबा बोले–'मैं इतना करीब हूँ कि अब झूठ मुझसे डरता है।' और अगले ही दिन सीबीआई ने आश्रम पर छापा मारा। वहीं से पाँच सरकारी सिलेंडर, दो बिना बिल की गाड़ियाँ, तीन फर्जी डिग्रियाँ और एक लाश मिली। लेकिन भक्तों ने कहा–'ये सब सरकार की साजिश है, बाबा जी के खिलाफ।' क्योंकि जब आँख पर आस्था की पट्टी हो, तो सच्चाई भी झूठ जैसी लगती है।

आखिरी दिन था बाबा जी का। जेल में थे। कोई मिलने नहीं आया। जो भक्त 'बाबा बाबा' करते थे, अब 'बलात्कारी बाबा' कहने लगे। बाबा जी अकेले पड़े थे, बिना माला, बिना तिलक, बिना लाइक और बिना चाय-नमकीन। उन्होंने आकाश की ओर देखा, और बुदबुदाए–'हे राम! दिखावा बड़ा महँगा पड़ता है।' उनका हाथ लटक गया। मौत के बाद भी कोई रोया नहीं, बस एक भक्त बोला–'कम से कम अब कोई ढोंग नहीं करेगा।' और सामने से एक नया बाबा भगवा वस्त्र में आते हुए बोला–'बोलिए श्रीराम!'

जियो और जीने भी दो...!

प्रकाश पुरोहित

दो नों साथ पढ़ते थे कॉलेज में और मोहब्बत हो गई। कसम खा ली थी कि शादी करेंगे, वरना यूं ही रहेंगे। बारह साल दोनों इंतजार करते रहे कि घरवाले मान जाएं कि दोनों जाति और धर्म के हिसाब से अलग थे। दोनों के परिवारों को खबर तो थी कि कुछ चल रहा है मगर कोई पहल नहीं कर रहा था।

अब दोनों की कॉलेज में नौकरी लग गई और अपने-अलग कॉलेज में पढ़ाने लगे। फिर भी रोज ही मिलते, कभी इस कॉफी हाउस में तो कभी उस रेस्तरां में। कभी किसी कॉमन दोस्त के यहां। जब लड़की के पिता ने देखा कि कोई सुगबुगाहट नहीं है तो खुद ही लड़की से बात की। उसने बता दिया, शादी तो उससे ही करूंगी, वरना नहीं। तब यह तय हुआ कि दोनों परिवार मिल ही लें।

जब दोनों परिवार होटल में इकट्ठे हुए तो माहौल ही बदल गया कि लड़की और लड़के के पिता आपस में बचपन के परिचित निकले। खूब हंसी-ठट्ठा हुआ। यह पाया कि लड़की के परिवार में इस रिश्ते को आसानी से नहीं लिया जाएगा, लेकिन दोनों बचपन के दोस्त तैयार हो गए बच्चों की खुशी के लिए। बस, फिर क्या था, फटाफट मुहूर्त निकला और शादी की तैयारियां शुरू। यहां तक हुआ कि जब कार्ड बांटने का मौका आया तो दोनों परिवार साथ ही निकले कि इनके दोस्त तो कॉमन ही थे। जहां भी जाते, अपने किस्से सुनाते और खूब मौज-मस्ती चल रही थी।

तभी शादी के ठीक हफ्ता भर पहले लड़के की मां ने लड़की से नाप के लिए कंगन मांगा। लड़की ने कहा- भिजवाती हूं और फोन रख दिया। उसके बाद उस घर इतने फोन लगाए, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। आखिरकार लड़की के घर गए तो देख कर सन्न रह गए। घर में तो जैसे मातम पसरा पड़ा था। कोई कह नहीं सकता था कि ये शादी का घर है। घर में जाकर देखा तो लड़की के पिता ने उठकर स्वागत तक नहीं किया और ना ही बैठने के लिए भी कहा।

'क्या बात है, कुछ हो गया क्या...? मेरे फोन भी नहीं उठा रहे हो और नाप के लिए कंगन भी नहीं भेजे। टाइम ही कितना बचा है शादी को ?' लड़के के पिता ने शिकायत में कहा। लड़की के पिता ने जेब से चिट्ठी निकाली और दी। लड़के के पिता ने पढ़ी तो चक्कर खाकर गिर पड़े। लड़की की चिट्ठी थी। लिखा था- मेरे कॉलेज में केरल का सुब्रमण्यम प्रोफेसर है। उससे मेरा अफेयर साल भर से है। उसके बगैर मैं रह नहीं सकती। हम दोनों ने आर्य समाज मंदिर में कल शादी कर ली है और हम अब केरल जा रहे हैं। नहीं पता, वापस आऊंगी भी या नहीं।

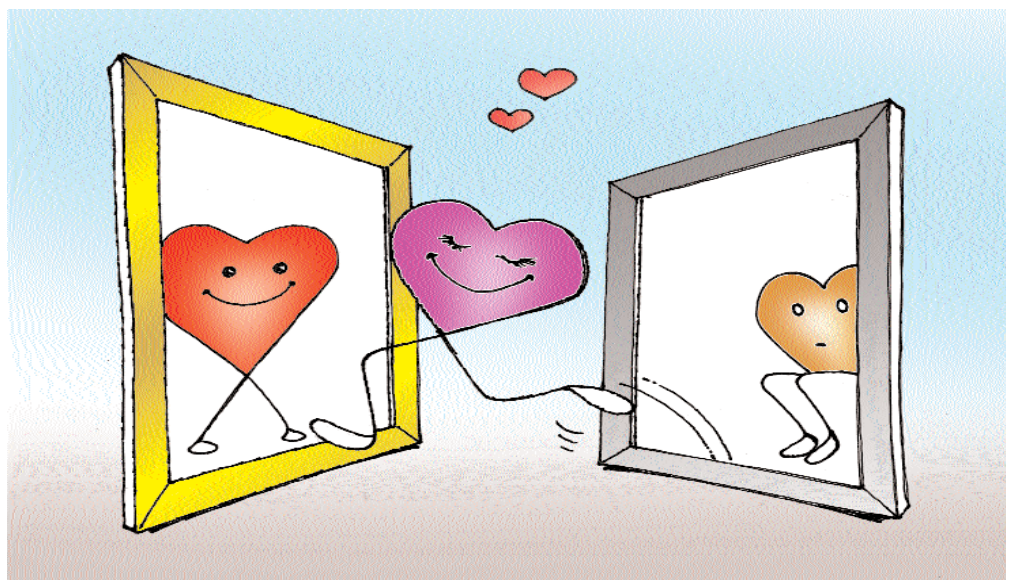

लड़के ने अपने सभी रिश्तेदारों को तो बुला ही लिया था, अमेरिका और इंग्लैंड सहित कुछ विदेशी दोस्त भी शादी के लिए चार दिन पहले ही आ गए थे। घर में शादी की चहल-पहल थी और लड़के को कुछ खबर ही नहीं थी कि क्या, कुछ हो गया है। घर आकर पिता ने जब बताया तो सन्नाटा छा गया। पिता ने सभी से हाथ जोड़कर माफी मांगी और विदा किया।

उसी रात ये परिवार घर पर ताला लगा कर ना जाने किधर निकल गया। निमंत्रण-कार्ड बंट चुके थे, जो वापस नहीं लिए जा सकते थे और ना ही किसी को बताया या रोका ही जा सकता था। शादी की रात तक कुछ को तो खबर हो गई और जिन्हें नहीं मिली, सजधज कर रिसेप्शन के लिए गार्डन पहुंच गए, वहां अंधेरे और सन्नाटे के अलावा उन्हें कुछ नहीं मिला। बाद में पता चला, लड़के का परिवार शहर ही छोड़ कर चला गया और उन्हें फिर किसी ने नहीं देखा। लड़का भी अमेरिका शिफ्ट हो गया और वहीं उसने किसी अमेरिकन से शादी कर ली।

एक और हकीकत! लड़की शादी ही नहीं कर रही थी। जो भी लड़का दिखाया जाता, खोट निकाल देती या ऐसा कुछ कर देती कि लड़का खुद ही इनकार कर देता। तभी इंग्लैंड से लड़का आया और लड़की को दिखाया गया। लड़की ने फौरन हां कर दी। बड़ी धूमधाम से शादी हुई। शादी के बाद दोनों तमाम रिश्तेदारों-दोस्तों के यहां हो आए कि अब ना जाने कब मौका मिले। ठीक एक माह बाद दोनों इंग्लैंड रवाना हुए। लड़के ने इंग्लैंड में दोस्तों और रिश्तेदारों को बता दिया कि हम आ रहे हैं, स्वागत का इंतजाम अच्छे से हों।

हीथ्रो हवाई अड्डे पर नव वर-वधु उतरे मुस्कराते हुए, हाथ में हाथ डाले, उस तरफ बढ़े, जिधर स्वागत के लिए भीड़ खड़ी थी, हार फूल और बैंड-बाजा लिए। तभी लड़के ने गर्व से लड़की की तरफ देखा... तो देखता क्या है, लड़की किसी और तरफ ही देख रही थी। लड़के को थोड़ा अटपटा लगा, मगर ध्यान नहीं दिया। थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि लड़की ने झटके से हाथ छुड़ाया और दौड़ लगा दी। सामने एक युवक खड़ा था। उसके गले लग गई। लड़का कुछ समझे, इसके पहले ही दोनों वहां से हाथ हिलाते हुए एयरपोर्ट से बाहर हो गए। दूल्हा, बगैर दुल्हन के खड़ा था सामान लिए और बैंड बज रहा था 'बहारों फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है।'

दरअसल लड़की और युवक में बचपन से इश्क था। बगैर शादी के तब इंग्लैंड में रहना संभव नहीं था और लड़की को घर से निकलने के लिए भी किसी सहारे की जरूरत थी। लड़का उस समय इंग्लैंड में था। सो, उन्होंने एनआरआई को फंसाने की साजिश रची और उस लड़के से शादी कर ली, क्योंकि अब तो वह विवाहित थी और उसे कोई बाहर नहीं कर सकता था या ऐसा ही कुछ कानूनी दावं-पेच था, जो दोनों ने मिल कर खेला था या ना जाने क्या साजिश थी।

ये किस्से नहीं, हकीकत इसलिए याद हैं कि अभी जो इंदौर में कांड हुआ, क्या सोनम भी ऐसा ही कुछ नहीं कर सकती थी कि किसी की जिंदगी भी बच जाती और खुद भी 'प्रेम' से जी रही होती? प्रेम में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं हैं। जब हिंसा शामिल हो जाए तो प्रेम नहीं स्वार्थ ही बाकी रह जाता है। सोनम ने जो किया, प्यार नहीं, स्वार्थ था और इसी ने युवक की जिंदगी ले ली, ना जाने कितने परिवारों की जिंदगी बर्बाद भी कर दी और खुद की भी कर ली। यदि कोई पसंद है तो अंजान की जान क्यों लेना?

जिंदगी भी 'सेकंड-चांस' देती है...!

❐ यूके से
प्रज्ञा मिश्रा

हि माचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ों पर सेलफोन सिग्नल मुश्किल है। खासतौर पर सर्दी में, जब गहरी बर्फ की परतें सारी आवाज सोख लेती हैं और पहाड़ियां मजबूत बर्फीली दीवार बन जाती हैं। सुभद्रा महाजन की शानदार और शांत फिल्म 'सेकंड चांस' बताती है कि वाई-फाई कवरेज के बिना गहरा कनेक्शन संभव है। पच्चीस बरस की निया (धीरा जॉनसन) जब यहां आती है तो अलग-थलग महसूस करती है। गर्भपात की गोलियां लेने के बाद माता-पिता से छिपाने के लिए बेताब है निया। प्रेमी के गायब हो जाने के बाद बेचैन और अकेली पहाड़ों वाले घर में आराम के लिए आई है, यह जानते हुए कि सर्दी शुरू हो रही है और यहां कोई नहीं होगा, सिवाय केयर टेकर राजू (राजेश कुमार) और परिवार के।

राजू को गांव जाना होता है। उसकी सत्तर साल की सास भीमी (ठाकरा देवी) और आठ बरस के लड़के सनी (कनव ठाकुर) की देखभाल में निया को छोड़ देता है। रिश्ते खत्म होने का गम मनाती महिला नई शुरुआत की तलाश में कुल्लू घाटी में घर लौटती है। सुभद्रा महाजन के निर्देशन में बनी यह पहली फिल्म दिल को छू जाती है। डांसर निया का दर्द इस बात से जाहिर होता है कि बर्फ से ढंके पहाड़ों के शानदार नजारे को देखने के लिए घर से बाहर निकलने के बजाय चादरों के नीचे दुबक जाती है। निया को चमकती आंखों वाली केयरटेकर भीमी और पोता दुःख से बाहर निकालते हैं। स्वप्निल एस. सोनवणे की चमकदार ब्लैक एंड व्हाइट पैलेट ने ध्यान चेहरों और लोकेशन पर ही रखा है, साथ ही निया की उदासी को भी हास्य और मदद की आध्यात्मिक खोज का घालमेल डोरिस डोरी की 'मोनोक्रोम ग्रीटिंग्स फ्रॉम फुकुशिमा' (2016) की याद दिलाता है, जो परमाणु आपदा के खंडहरों के खिलाफ महिला जोकर और गीशा के बारे में है। कुछ अड़चनें युवा महिला की परेशानी के संवेदनशील चित्रण को खराब करती हैं, जबकि ठाकरी देवी और कनव ठाकुर सम्मोहक हैं। धीरा जॉनसन के पास निया के दर्द के लिए अभिनय की ताकत नहीं है। निया को मदद करते हैं, जिन्हें उसकी देखभाल के लिए तनख्वाह मिलती है। बाद के कुछ हिस्से भरे लगते हैं।

पहली फिल्म में मिली नाकामी के बावजूद **'सेकंड चांस'** मजबूत दावा है। 'सेकंड चांस' ठीक गति से आगे बढ़ती है, जिसमें थीम और मूड को तवज्जो है। ऐसी इमोशनल कहानी है, जहां छोटी छोटी बातों में गहरे मायने हैं। अकेलेपन और निराशा की चिंताओं को परदे पर बेहतरीन ढंग से पेश किया है। इंसान के अंदर की उथल-पुथल की अच्छी शुरुआत बताती है।

अहमदाबाद हादसा : मौत आती नहीं बुला लेती है

विचार
पल्लवी सक्सेना
लेखक साहित्यकार हैं।

खैर इस वर्ष नए साल की शुरुआत में सुनने में आया था कि कुछ ज्योतिषियों का यह मानना है कि यह साल मंगल का साल है इसलिए इस साल जितने भी हादसे होंगे अग्निमय ही होंगे. जहां भी कोई दुर्घटना घटेगी, वहाँ आग शामिल ज़रूर होगी और देखिये जनवरी से आज तक, जहां भी देश में हो या फिर विदेश में अग्नि कांड ही हुये हैं. फिर चाहे USA में लगी आग रही हो या अपने यहाँ कुंभ मेले में सिलेन्डर फटे हों कारण आग ही रही थी. वह बात अलग है कि उन हादसों में जान माल का नुकसान बहुत कम हुआ या शायद हुआ ही नहीं. लेकिन तब से अब तक अधिकतर दुर्घटनाओं के पीछे पूरी दुनिया में बस आग ही आग है. पर सोचने वाली बात यह है कि मौत कितनी अद्भुत चीज है 1 बजकर 38 मिनट (1:38) पर जो 242 लोग जीवित की श्रेणी में आ रहे थे वही लोग 1 बजकर 40 मिनट (1:40) पर मृतकों में बदल गए. लोग कहते है जब मौत आती है तो कोई बहाना काम नहीं करता. उसके सामने फिर कोई और चीज का कोई मोल ही नहीं रह जाता. वही सर्वेसर्वा बन जाती है. यह बात एक तरह से सच भी है और झूठ भी...!

जी हाँ मैं बात कर रही हूँ अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना की हादसे दुर्घटना या कोई साजिश कुछ भी हो, यह पहली बार तो नहीं था. हादसे पहले भी बहुत हुए जैसे वो 29 जनवरी 2025 दक्षिण कोरिया के एयर बुसान में आग लगी थी और भी न जाने कितनी विमान दुर्घटनाएँ हुई हैं और यदि बात दुर्घटना की ही हो रही है तो इनमें प्राकृतिक आपदा को भी गिना जा सकता है क्यूंकि हादसा तो हादसा ही है जान तो इंसानों की ही गयी, फिर वजह चाहे जो भी रही हो. जैसे वह केदारनाथ वाला हादसा जो प्राकृतिक आपदा की वजह से हुआ था. कहते है प्रकृति अपना संतुलन स्वयं बना लेती है. इसलिए ऐसे हादसे आज भी हो रहे है. किन्तु इसका यह अर्थ नहीं कि हम सिर्फ विमान दुर्घटना को ही दोष दें क्यूंकि हादसा तो हादसा ही होता है और होने से पहले वह यह नहीं देखता कि विमान है, बस है, रेल है, या फिर दुपहिया वाहन है, फर्क सिर्फ इतना है कि जब छोटे स्तर पर किसी कि जान जाती है तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन जब वहीं बड़े स्तर पर कोई ऐसी दुर्घटना घटित होती है जैसे कि अभी हुई तो सारी दुनिया में खलबली मच जाती है.

वरना देखा जाये तो सड़क दुर्घटनाएँ लगभग रोज ही घटित होती हैं और जाने भी जाती है लेकिन तब कोई इतना बड़ा समाचार नहीं बनता. हालांकि यह कोई प्रकृति आपदा नहीं थी. लेकिन हादसा तो था ही, फिर चाहे कारण कुछ भी रहा हो. मेरा ऐसा मानना है कि जब तक मामले की पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा. जब भी कोई ऐसा हादसा या दुर्घटना घटित होती है लोग तरह -तरह की बातें करने लगते हैं. वह भी बिना किसी सबूत के, बिना सच को जाने जो की ठीक बात नहीं. याद रहे सोश्ल मीडिया पर आने वाली हर बात सच नहीं होती.

खैर इस वर्ष नए साल की शुरुआत में सुनने में आया था कि कुछ ज्योतिषियों का यह मानना है कि यह साल मंगल का साल है इसलिए इस साल जितने भी हादसे होंगे अग्निमय ही होंगे. जहां भी कोई दुर्घटना घटेगी, वहाँ आग शामिल ज़रूर होगी और देखिये जनवरी से आज तक, जहां भी देश में हो या फिर विदेश में अग्नि कांड ही हुये हैं. फिर चाहे USA में लगी आग रही हो या अपने यहाँ कुंभ मेले में सिलेन्डर फटे हों कारण आग ही रही थी. वह बात अलग है कि उन हादसों में जान माल का नुकसान बहुत कम हुआ या शायद हुआ ही नहीं. लेकिन तब से अब तक अधिकतर दुर्घटनाओं के पीछे पूरी दुनिया में बस आग ही आग है. पर सोचने वाली बात यह है कि मौत कितनी अद्भुत चीज है 1 बजकर 38 मिनट (1:38) पर जो 242 लोग जीवित की श्रेणी में आ रहे थे वही लोग 1 बजकर 40 मिनट (1:40) पर मृतकों में बदल गए. लोग कहते है जब मौत आती है तो कोई बहाना काम नहीं करता. उसके सामने फिर कोई और चीज का कोई मोल ही नहीं रह जाता. वही सर्वेसर्वा बन जाती है. यह बात एक तरह से सच भी है और झूठ भी...!

एक स्त्री जो ट्रैफिक में फंस जाने की वजह से अपनी फ्लाइट मिस कर देती है वह बच जाती है. एक व्यक्ति फ्लाइट में होने के बाद भी दुर्घटना होने की आशंका से प्लेन से कूद जाता है और फिर भी बच जाता है. यह जानकर तो वही कहावत सच प्रतीत होती है कि 'जाको राखे साइयाँ मार सके ना कोई' तो इसे क्या कहा जाये मौत ने इन्हें कुछ इस तरह से छोड़ दिया जैसे जब कभी हम, किसी रेस्टोरेंट में जब खाना खाने जाते है और एन टाइम पर हमारा मन बदल जाता है एक डिश जो हमने पहले ऑडर करी थी अचानक हम उसे केंसिल कर देते है और जो डिश हमने पहले से ऑडर करी हुई होती है वह भी किसी कारण वश हमें पसंद नहीं आती तो हम उसे खाते-खाते छोड़ देते है.

इस दोनों व्यक्तियों के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ मौत का एक के लिए मन बदल गया तो वह स्त्री सही समय पर वहां पहुँच ही नहीं पायी और एक में शायद कुछ कमी रही होगी तो मृत्यु ने उसे अपनी प्लेट में से निकालकर जिंदा छोड़ दिया और बाकी शेष सभी को खा गयी. यह सब अपने आप में कितना अजीब है ना.. शायद इसलिए यह विषय हमेशा से मुझे अपनी और खिंचता है. जितना जीवन रहस्यों से भरा है शायद उसे भी कहीं अधिक यह मौत रहस्यों से भरी है.

हो सकता है मेरी बातें असंवेदनशील प्रतीत हो रही हो. लेकिन जरा सोचिये कि हम अक्सर यही कहते है कि मौत आयी थी लेकिन मुझे लगता है 'मौत आती नहीं बल्कि आपको वहां बुला लेती है' जहाँ वो खुद होती है. फिर आप चाहे दुनिया के किसी भी कौने में क्यूँ ना बैठे हो, अगर उसने निमंत्रण भेजा है तो आपको कोई ना कोई बहाना या कारण मिल ही जायेगा वहां जाने का कोई छोटी सी वजह भी हो सकती है और कोई बड़ा कारण भी हो सकता है, कुछ कहा नहीं जा सकता कि आप क्या सोचकर चले है क्यूंकि जब कुछ घटना होता है तो परिस्थितियाँ अपने आप ही ऐसी बनती चली जाती है कि गिरते पड़ते भी आप वहां पहुँच ही जाते हो, जहाँ उसने आपको बुलाया होता है. यह सब कहाँ बहुत आसान होता है.

लेकिन सच तो यह है कि जिस पर बित्ती है वही जानता है. कहना बहुत आसान होता है कि 'मृत्यु एक शाश्वत सत्य है जो आया है वो जायेगा' इत्यादि. माना कि यह एक कड़वा सच है. इसमें कोई दौराय नहीं, लेकिन फिर भी दुःख तो दुःख ही होता है क्यूंकि जब दर्द होता है तो चीखे निकलती ही है. आँसू बहते ही है, है ना...? भले ही आपको पता हो कि दर्द होगा. ठीक उसी तरह यदि आप एक संवेदनशील मानव है और आपके अंदर मानवता अब भी ज़िंदा है तो ऐसे किसी हादसे के बारे में जानकर, देखकर, सुनकर, पढ़कर, दुःख आपको भी होगा ही होगा. उसके लिए यह जरूरी नहीं कि उस हादसे में आपका अपना भी कोई शामिल था या नहीं... फिर इस संसार में बहुत से ऐसे लोग भी है, जिन्हें किसी के मरने जीने से कोई फर्क नहीं पड़ता. ऐसे असंवेदनशील लोग जो अपने आप को प्रेक्टिकल होना कहते है. माना के जीवन में कई ऐसे मोड़ आते हैं जहां प्रेक्टिकल होना ही ज़रूरी होता है. हर जगह भावनाएं काम नहीं आती. लेकिन जहां किसी को भावनात्मक सहारे कि आवश्यकता होती है, वहाँ बस भावनाएं ही काम आती हैं जो उस पीड़ित व्यक्ति को तसल्ली दे सकती हैं व्यवहारिकता नहीं.

अरे जरा सोचिये तो सही, कुछ लोग अपने जीवन की नयी शुरुआत करने का सपना लिए चले थे, तो कुछ अपने आने वाले जीवन के सुनहरे सपने अपनी आँखों में लिए चले थे, कोई अपने परिवार को लेने आया था, तो कोई अपनी नानी का जन्मदिन मनाने आया था, कोई अपने पिता की अस्थियों का विसर्जन करने आया था, तो कोई अपने बच्चों को छोड़कर अपनी पत्नी का दाह संस्कार करने. आया था. सोचा होगा वापस लौटकर बच्चों को संभालेगा किन्तु इस हादसे ने उन दो मासूमों को अनाथ कर दिया. दूसरी तरह से देखें तो हर कोई ज़िन्दगी से भरपूर था वहां, उस फ्लाइट में भी और उस डॉक्टरों के हॉस्टल में भी, किसे पता था कि उन मेहनती विद्यार्थियों का डॉक्टर बनने का सपना उनकी आँखों में ही रह जायेगा और वह खुद अपने अपनों के जीवन में एक सपना बनकर रह जायेंगे. उनकी ज़िन्दगी के यह मस्ती भरे पल जब वह सब खाना खाने के लिए केंटीन में जमा हुए थे, उनके जीवन के आखिरी पलों में गिने जायेंगे और जो ऊपर उड़े ही थे पल भर में ही वह उनकी आखिरी यात्रा बन जाएगी. सच ही कहते है 'ज़िन्दगी दो पल की'.

कुछ ही पल पहले किसी ने किसी से किए होंगे कुछ वादे, किसी के दिल में रहे होंगे कुछ मजबूत इरादे, किसी के अंदर पल रहा होगा कोई नव जीवन, कोई देख रहा होगा सपने सलोने, कितने ही ऐसे भी होंगे जिन्होंने उड़ान भरने से पहले अपनी माँ से, या अपने अपनों से वापस आकर मिलने का वादा किया होगा या पहुँचकर बात करने को कहा होगा. परंतु यह कितना दुखद है किसने सोचा होगा कि उनके द्वारा कहे गए यह 'बाद में बात करते हैं' जैसे शब्द उनके आखिरी शब्द बन जाएंगे और उनका कहा यह वाक्य आखरी वाक्य बन जाएगा और उन सभी के घरवालों का वो इंतज़ार अब कभी ना खत्म ना होने वाला इंतज़ार बनकर रह जाएगा. कैसा रहा होगा उनके लिए वह मंजर...? क्या उन्हें उस वक्त कुछ सोचने का अवसर भी मिला होगा या नहीं...? इधर फोन रखा और अगले ही पल सब खत्म चारों और बस आग ही आग, धुआँ ही धुआँ और मातम, सच है जीवन का कोई भरोसा नहीं इसलिए हमें हर एक पल को भरपूर जीना चाहिए.

अब भी वक्त है कौन कहाँ, कब, किस वक्त, साथ छोड़ देगा यह तुम्हें भी नहीं पता फिर ज़िन्दगी भर उसे देखने को तुम्हारी आँखें तरसेंगी इसलिए समय रहते उसके साथ भरपूर जी लीजिये जिन्हें आप चाहते हैं, प्यार करते हैं लेकिन जरा से मन मुटाव के चलते दूरियाँ आ गयी है. भूल जाइये पुराने गिले शिकवे शिकायतें. जब तक जीवन है जीवन का जश्न मना लीजिये. बहुत करली ज़िन्दगी से शिकायतें अब उसकी और दोस्ती का हाथ बढ़ाइए कर डालिये वो सभी कुछ जो पल में करना संभव हो क्या पता 'कल हो ना हो' कल क्या अगले ही पल का कोई भरोसा नहीं जो है, आज है...! अभी है...!

37 केन्द्रों पर आज से शुरू होगी 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा

परीक्षा में शामिल होंगे 13,155 विद्यार्थी, तैयारियां पूरी

संजय द्विवेदी, बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की दोबारा परीक्षा आज 17 जून से शुरू होगी। इसके लिए गोपनीय सामग्री का वितरण किया जा चुका है। जिले में कुल 37 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर लगभग 13,155 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को लेकर जिला शिक्षा विभाग ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। बता दे कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पूरक यानी सप्लीमेंट्री के प्रावधान खत्म कर दिया है। इसकी जगह फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिए रूक जाना नहीं, के अंतर्गत द्वितीय परीक्षा का प्रॉवधान लागू किया है। इस प्रॉवधान में ऐसे विद्यार्थी दोबारा परीक्षा दे सकते है, जो 10वीं-12वीं की मुख्य परीक्षा में किसी कारणवश अनुपस्थित रहे या फेल हो गये। इस प्रॉवधान में ऐसे विद्यार्थी भी शामिल हो सकते है, जिनके कम अंक आये हो और अंक सुधार के लिए, जिन्होने दोबारा फार्म भरे हो। अब उनकी परीक्षा 17 जून से प्रारंभ होगी। जिसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां कर ली है। वैसे इस साल जिले में 10वी और 12वी के कुल 7719 विद्यार्थी फेल हुए हैं। जिसमें 10वी के 3999 और 12वी के 3720 विद्यार्थी शामिल है।

इन स्कूलों को बनाया है परीक्षा केंद्र- जिले में द्वितीय परीक्षा के लिए कुल 37 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसमें एमएलबी, कन्या स्कूल गंज, कृषि विद्यालय बैतूल बाजार सहित कुल 37 केन्द्र बनाये गये है। इन केन्द्रों पर कुल 13155 छात्र-छात्राएं परीक्षा देगी। जानकारी के अनुसार द्वितीय शामिल होने वाले विद्यार्थियों की

मार्कशीट भी मुख्य परीक्षा की तरह ही होगी। इसमें कोई विशेष निशान या चिह्न नहीं होगा, जो यह दर्शाए कि छात्र ने किसी विषय की द्वितीय परीक्षा दी है। हालांकि मार्कशीट के मुख्य भाग में यह जरूर लिखा होगा कि यह द्वितीय परीक्षा का परिणाम है। अगर कोई छात्र द्वितीय परीक्षा में अपने अंक सुधार लेता है या नहीं सुधार पाता तो भी वह अगले सत्र में फिर से नियमों के तहत श्रेणी सुधार के लिए परीक्षा दे सकता है।

10 वीं की 26 और 12वीं की 5 जुलाई तक चलेगी परीक्षा- 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा 17 जून को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे के बीच होगी। 10वीं की परीक्षा 26 जून और 12वीं की परीक्षा 5 जुलाई तक चलेगी। जानकारी के अनुसार कॉपियों की चेकिंग कर 20 जुलाई से लेकर जुलाई के अंत तक रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। जिला शिक्षा कार्यालय के योजना अधिकारी सुबोध शर्मा ने बताया कि द्वितीय परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा 2 जून से स्कूलों में कक्षाएं लगाई जा रही थी, ताकि विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम बेहतर आये। वहीं शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए मटेरियल वितरित किया गया था। जिसके आधार पर बच्चे परीक्षा की तैयारी कर सकते है।

10वीं और 12वीं के 28,799 में से 7,719 विद्यार्थी फेल- जानकारी के अनुसार इस बार बैतूल जिले से कक्षा 10वीं और 12वीं में कुल 28,799 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिले में दसवीं में 16567 ने परीक्षा दी। जिसमें से 16563 के रिजल्ट घोषित किए, जिनमें 13164 उत्तीर्ण हुए। इनमें 8163 प्रथम, 4915 द्वितीय और 86 ने तृतीय स्थान लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। जबकि 3399 बच्चे फेल हो गए। वहीं 12वीं में 12232 मे से 12216 का रिजल्ट घोषित किया। इसमें 8496 बच्चे उत्तीर्ण हुए। इनमें 5148 प्रथम, 3328 द्वितीय तथा 20 बच्चे तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 3720 विद्यार्थी फेल हुए।

तीन तरह के छात्र परीक्षा में हो रहे शामिल- इस परीक्षा में तीन तरह के छात्र शामिल हो रहे हैं। पहले- जो मुख्य परीक्षा में एक या अधिक विषयों में फेल हो गए। दूसरे जो किसी कारण मुख्य मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित रहे। तीसरे-जो पास तो हुए, लेकिन अपने अंकों को बेहतर करना चाहते हैं। इसके लिए छात्रों को सिर्फ उन विषयों की ही परीक्षा देना होगी जिनके लिए उन्होंने आवेदन भरा है। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत लाई गई है। इसमें बोर्ड परीक्षाओं के दबाव को कम करने के लिए छात्रों को एक साल में दो बार परीक्षा देने का मौका देने की बात कही गई है।

नंबर बढ़ने पर भी नहीं बदलेगी मेरिट लिस्ट...

जानकारी के अनुसार एमपी बोर्ड की 10वीं, 12वीं की मुख्य परीक्षा में फेल होने, अनुपस्थित रहने वाले या अपने अंकों में सुधार करवाने के इच्छुक छात्र द्वितीय परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। हालांकि इस द्वितीय परीक्षा के नतीजों का मेरिट लिस्ट पर असर नहीं पड़ेगा। यानी, मेरिट लिस्ट सिर्फ मुख्य परीक्षा के आधार पर ही बनाई गई थी, वहीं मान्य होगी। एमपी बोर्ड ने साफ किया है कि दूसरी परीक्षा में शामिल किसी छात्र के अंक पुरानी मेरिट लिस्ट में शामिल किसी छात्र से ज्यादा आ भी जाते हैं तो भी लिस्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। उसकी मेरिट लिस्ट अलग से भी नहीं बनेगी। इस शर्त से उन छात्रों को निराशा हो सकती है, जो अपने रैंक को बेहतर करना चाहते हैं।

इनका कहना है -

आज 17 जून से 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा शुरू हो रही है। जिसके लिए पूरे जिले में 37 केन्द्र बनाये है। वहीं रविवार को गोपनीय सामग्री का वितरण कर दिया गया है और परीक्षा को लेकर अन्य तैयारियां भी पूर्ण कर ली गई है।

-सुबोध शर्मा, जिला परीक्षा प्रभारी, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बैतूल

किसानों को पंजीयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो : कलेक्टर

बैतूल। जिले में विपणन वर्ष 2025-26 ग्रीष्मकालीन फसल मूंग और उड़द के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 19 जून से 5 जुलाई तक किया जाएगा। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पंजीयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा या परेशानी किसानों को न हो। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए जिले में कुल 36 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पंजीयन केंद्रों की सतत निगरानी और निरीक्षण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, ताकि सभी व्यवस्थाएं सही और समय पर हो सकें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि पंजीयन केंद्रों पर हर प्रकार की सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि किसान आसानी से अपना पंजीयन करा सकें। इसके अलावा किसानों को पंजीयन के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज या अन्य आवश्यक जानकारी के बारे में पूर्व में सूचना दी जाए, ताकि वे पूरी तैयारी के साथ पंजीयन करवा सकें।

उद्यमी की हर समस्या के साथ हैं : लघु उद्योग भारती

बैतूल। विदिशा में लघु उद्योग भारती की प्रांतीय अभ्यास वर्ग की बैठक संपन्न हुई। उक्त कार्यक्रम में लघु उद्योग की नई प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा व उद्यमि औद्योगिक

नीति व संगठन की विकास व कार्य योजना पर लघु उद्योग भारती के सभी वरिष्ठिंगण का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उक्त बैठक में बैतूल इकाई से राजा साहू व अम्बेश बलुआपुरी, सुनील धोटे आदि शामिल हुए। बैतूल जिले इकाई की ओर से राजा साहू द्वारा युवा रोजगार, सहयोग व ओडीओपी की टिकवुड कार्ययोजना व अन्य विषय पर अपनी बात रखी। इसके बाद प्रांतीय पदाधिकारिओं से विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श कर अगामी कार्ययोजना के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया।

नाश्ते की दुकान के गैस सिलेंडर में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

बैतूल। बैतूल के गंज बाजार में सोमवार सुबह एक होटल में गैस सिलेंडर से अचानक आग की लपटें निकलने लगीं। पास की दुकानों और होटल स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई की, जिससे सिलेंडर फटने से पहले ही आग पर काबू पाया जा सका। प्राथमिक जांच में सामने आया कि सिलेंडर

का नोजल ढीला था, जिससे गैस रिसाव हुआ और वहीं से आग भड़क गई। होटल कर्मचारी ने तत्काल सिलेंडर को हटाकर बड़ा हादसा टाल दिया। आसपास के दुकानदारों ने फायर एक्सटिंगिवीशर से आग बुझाने की कोशिश की और नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर फायर टीम ने मौके पर पहुंची। टीम ने शुरुआत में पानी डाला, लेकिन आग की लपटें निकल रही थी। जिसके बाद विशेष उपकरणों से आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार क्षेत्र की दुकानों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच की जाए और सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया जाए।

स्पॉट जीरो डिस्ट्रीब्यूटर मिलन समारोह आयोजित

भोपाल। 16 जून को वाइस प्रेसिडेंट सुजीत सारंगी जी भोपाल में उनके द्वारा डिसटीब्यूटरों की मीटिंग ली गई, उसमें सभी हमारे सम्माननीय डिस्ट्रीब्यूटर की उपस्थिति सराहनीय रही और हमारे कंपनी के 11 साल से कार्यरत रहे रहे अनिल जी

राजदेव न्यू अनिल एजेंसी सुपर स्टॉकिस्ट स्पोर्टजीरो बाय मिल्टन मध्य प्रदेश, बाबुजी गोरलदास राजदेव जी एम पी स्टेट हेड. बलराम भिरड़े, मुंबई से पधारे एच ओ से वेदांत सुरेजा की गरिमामय उपस्थिति दर्ज कर सभी सेल्स टीम का मार्गदर्शन किया। इसके बाद कंपनी के सेल्स एग्जीक्यूटिव की बैठक का शुभारंभ किया। स्पॉट जीरो के वाइस प्रेसिडेंट द्वारा कंपनी के बारे में मार्गदर्शन किया गया तत्पश्चात उनके द्वारा भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नीट में चयनित विद्यार्थियों का किया सम्मान

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में नीट परीक्षा में चयनित 15 विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते हुए मिठाई खिलाकर बधाई दी। कलेक्टर ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस सफलता के लिए मेहनत और लगन की आवश्यकता

को समझाया और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि आपने अपनी कड़ी मेहनत और संघर्ष से यह सफलता हासिल की है, लेकिन यह सफर अब भी जारी है। आगे भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ आगे बढना है। आपकी सफलता न केवल आपके परिवार बल्कि आपके जिले के लिए भी गर्व का विषय है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि यह सफलता केवल छात्र-छात्राओं की मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि उनके परिवार और शिक्षकों के समर्थन का भी नतीजा है। उन्होंने सभी को आगे भी इसी तरह की मेहनत जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल सिंह कुशवाह, जिला परीक्षा प्रभारी एवं योजना अधिकारी सुबोध शर्मा, सहायक संचालक भूपेंद्र वरकड़े, डीपीसी जितेंद्र कुमार भनारिया सहित अन्य अधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लायंस क्लब बैतूल के अध्यक्ष बने बीआर कुबड़े

बैतूल। लायंस क्लब बैतूल सिटी की वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा हाल ही में संपन्न हुई। नामांकन समिति की बैठक में लायंस संविधान के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी की गई। एमजेएफ लायन केआर देशमुख ने बताया कि नामांकन समिति द्वारा चुने गए पदाधिकारियों की सूची बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गई थी, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात नवगठित कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की गई। इस वर्ष हेतु लायंस क्लब बैतूल सिटी के अध्यक्ष एमजेएफ लायन बी आर कुबड़े होंगे। सचिव पद की जिम्मेदारी एमजेएफ लायन अक्षय अग्रवाल को दी गई, वहीं कोषाध्यक्ष लायन शिशिर चौधरी बनाए गए हैं। प्रथम उपाध्यक्ष एमजेएफ लायन नीरजा श्रीवास्तव और द्वितीय उपाध्यक्ष लायन डॉ. संतोष जैसवाल को नियुक्त किया गया है। सह सचिव लायन प्रीति अग्रवाल और सह कोषाध्यक्ष लायन नीलम दुबे को बनाया गया है।

प्रमुख समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति इस प्रकार की गई है--

मेंबरशिप चेयरपर्सन एमजेएफ लायन रविंद्र कौर बग्गा, सर्विस ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. के. पी. पाटणकर, एलसीआईएफ चेयरपर्सन एमजेएफ लायन

के. आर. देशमुख, मार्केटिंग चेयरपर्सन लायन राजेश कारे, हंगर ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अर्चना अग्रवाल, दृष्टि ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. वसंतकुमार श्रीवास्तव, डायबिटीज़ ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन संगीता अवस्थी, चाइल्डहुड कैंसर ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अतुल गोठी, एनवायरनमेंट चेयरपर्सन लायन भगवंत बोहरपी, परमानेंट ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अनिल दुबे, ई-वेस्ट मैनेजमेंट चेयरपर्सन लायन राहुल पटेल, ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन लायन नीरज गलफट, पीस पोस्टर प्रतियोगिता चेयरपर्सन एमजेएफ लायन निर्मला डागा तथा को चेयरपर्सन लायन साधना हेंड, स्वास्थ्य ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. पुनीत श्रीवास्तव, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर लायन विवेक पटेल, ग्रीटिंग चेयरपर्सन लायन नीलम दुबे और एंटरटेनमेंट कमेटी चेयरपर्सन लायन कमलजीत सिंह बग्गा को बनाया गया है। अन्य पदाधिकारियों में टेलर लायन हरीश गड़ेकर और टेमर लायन बंटी वर्मा को शामिल किया गया है। डायरेक्टर्स के रूप में एमजेएफ लायन पी. एस. बग्गा (पीडीजी), एमजेएफ लायन रामप्रकाश गुगनानी, एमजेएफ लायन के. के. वर्मा, लायन जितेंद्र कपूर, लायन डॉ. अनिल गोठी, लायन मनीष ठाकुर, एमजेएफ लायन उषा द्विवेदी, एमजेएफ लायन एच. एस. रघुवंशी, एमजेएफ लायन अलका तातेड़, एमजेएफ लायन कश्मीरीलाल बत्रा, एमजेएफ लायन मोहन अग्रवाल, एमजेएफ लायन शोभा भट्ट, एमजेएफ लायन बृजमोहन भट्ट, लायन नरेन्द्र शुक्ला, लायन प्रताप देशमुख, एमजेएफ लायन संदीप गुप्ता, लायन राजीव भार्गव और लायन दिनेश महस्की की नियुक्ति की गई है। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद लायंस क्लब बैतूल महक एवं लायंस क्लब बैतूल ऐमिगोस के सभी सदस्यों ने नवनियुक्त टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस ने चोरी के 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

लगभग 3,15,000 मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात जब्त

बैतूल। कोतवाली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए नकबजनी के 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 3,15,000 मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण जप्त किये है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 20 नवबर 2024 को फरियादी विजय कामतकर पिता मधुकर कामतकर उम्र 33 वर्ष निवासी पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, भगतसिंह वार्ड सदर बैतूल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात आरोपी उसके घर से सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 305(ए) बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना स्थल का निरीक्षण सीन ऑफ क्राइम मोबाइल यूनिट प्रभारी निरीक्षक आबिद अंसारी द्वारा डॉग स्क्वॉड एवं पुलिस फोटोग्राफर की टीम के साथ किया गया तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण में प्राप्त सूचना व सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप अंकित उर्फ भूत डेहरिया, पिता राजू डेहरिया, उम्र 18 वर्ष, निवासी चांदामेटा, आकाश कहार, पिता अरविंद कहार, निवासी परासिया, आर्यमन डेहरिया, पिता शिवकुमार डेहरिया, निवासी न्यूटन परासिया और अजय सोनी, पिता योगेंद्र सोनी, निवासी न्यूटन परासिया, जिला छिंदवाड़ा को गिरफ़्तार कर पूछताछ की गई। जिसमें आरोपियों ने उपरोक्त नकबजनी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर 1 सोने का हार, 1 सोने की चेन, 1 सोने का मंगलसूत्र, 1 जोड़ी सोने के टॉप्स, 1 सोने का मुखड़ा, 02 सोने की अंगूठिया, 1 सोने का लॉकेट, कुल वजन लगभग 31.5 ग्राम कुल अनुमानित मूल्य 3,15,000 जप्ती विधिवत गवाहों के समक्ष की गई। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाही में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, निरीक्षक आबिद अंसारी (सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट), उनि जगदीश प्रसाद ठाकुर, सउनि जगदीश नावरे, आर. नितिन चौहान, प्र.आर. तरुण पटेल, प्र.आर. शिव कुमार, प्र. आर. महेन्द्र, प्र.आर. अरविंद सिंह और आर. महेश की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

बैतूल। अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना कोतवाली पुलिस ने शातिर बदमाश गोलू उर्फ प्रवीण राठौर (उम्र 48 वर्ष, निवासी पाढर) को एक अवैध देशी कट्टे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दरअसल 15-16 जून 2025 की दरम्यानी रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति लाल रंग की स्कॉर्पियो वाहन में अवैध हथियार लेकर रानीपुर रोड क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली बैतूल द्वारा एक विशेष पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया। टीम के पहुंचते ही संदिग्ध वाहन पुलिस को देख भागने का प्रयास करने लगा, जिसे बल व साक्षीगणों की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया। वाहन की

तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा (अनुमानित कीमत 10,000) बरामद हुआ, जिसके संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही, आरोपी की लाल रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी 48 सी 4593 अनुमानित कीमत 10 लाख) भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपी गोलू उर्फ प्रवीण राठौर के विरुद्ध पूर्व से ही लड़ाई-झगड़ा, मारपीट, जुआ अधिनियम, सट्टा अधिनियम एवं आर्म्स एक्ट के कुल 13 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। वर्तमान में आरोपी से अवैध हथियार की आपूर्ति एवं स्रोत के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। इस कार्यवाही में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उनि राकेश सरयाम, प्रआर दीपक कटियार, प्रआर तरुण पटेल, प्रआर अरविंद, प्रआर शिवकुमार, आरक्षक नितिन, अनिल, रोहित एवं आरक्षक प्रदीप कहार की विशेष भूमिका रही।

मानव जीवन मुश्किल से मिलता है इसे धर्म पुण्य कर्म में लगाएं: जगतगुरु शंकराचार्य

शंकराचार्य ने किया पवित्र कुंडों का भ्रमण

बैतूल/मुलताई। राम मंदिर ट्रस्ट भूमि पर 12 जून से प्रारंभ सूर्य महायज्ञ एवं सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में भाग लेने मां ताप्ती की पावन धरा, पवित्र नगरी मुलताई पहुंचे द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य सदानन्द सरस्वती जी यज्ञ स्थल पहुंचे जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। अनेक श्रद्धालुओं ने दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ताप्ती उदगम उद्धार समिति द्वारा मेला ग्राउंड पर आयोजित विशाल सूर्य यज्ञ एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण सभा स्थल को संबोधित करते हुए जगतगुरु शंकराचार्य सदानन्द सरस्वती जी ने कार्यक्रम में शामिल हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन बहुत मुश्किल से मिलता है। अगर भगवान ने यह जन्म दिया है तो इसे भजन, पूजन, धर्म और अच्छे कर्मों में लगाए। उल्लेखनीय है कि जगतगुरु शंकराचार्य 15 जून की शाम को नागपुर सडक़ मार्ग से मुलताई पहुंचे थे वह समाजसेवी उपेंद्र पाठक के निवास पर ठहरे हुए थे जहां से आज वह यज्ञ स्थल पर पहुंचे हैं।

सूर्यकुंड एवं प्राचीन ताप्ती मंदिर पहुंचे जगतगुरु

मुलताई पवित्र नगरी की पहचान यहां स्थित प्राचीन कुंड, मठ मंदिरों से है यही कारण है कि आज जगतगुरु शंकराचार्य यज्ञ स्थल जाने से पहले नगर के सूर्यकुंड, पाप कुंड दान कुंड होते हुए प्राचीन ताप्ती मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने मां ताप्ती की पूजा अर्चना एवं दर्शन किए इसके उपरांत यज्ञ स्थल के लिए प्रस्थान किया। उनके साथ बड़ी संख्या में नगर के गंदमान नागरिक एवं श्रद्धालु गण सहित आयोजन समिति ताप्ती उदगम उद्धार समिति सदस्य गोलू उघडे, दिनेश कालभोर, लोकेश यादव, मनीष माथनकर ,उपेंद्र पाठक, सौरभ जोशी गगन साहू आदि उपस्थित थे।

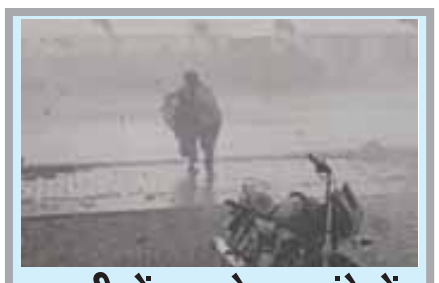

एमपी में 24 से 48 घंटे में मानसून की एंट्री

नरसिंहपुर-डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट, पांढुर्णा में बिजली गिरने से 6 मवेशियों की मौत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून अगले 24 से 48 घंटे में एंट्री कर सकता है। मानसून के फिर से सक्रिय होने से मौसम विभाग ने यह संकेत दिए हैं। इससे पहले पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। नरसिंहपुर और डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में नरसिंहपुर और डिंडौरी में ढाई से सवा 4 इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल-इंदौर के साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। पांढुर्णा की सौसर तहसील के ग्राम खैरीमीरा में रविवार की देर रात आकाशीय बिजली गिरने से 6 मवेशियों की मौत हो गई। यह घटना गुना उईके, प्रवीण उईके, धनराज उईके और महेश शोडिल्य के खेतों में हुई।किसानों ने बताया कि उनके खेत एक-दूसरे के पास स्थित हैं। उन्होंने रोज की तरह अपने मवेशियों को खेत में बांधा था। बिजली गिरने से सभी मवेशियों की चमड़ी जल गई। मानसून के प्रवेश से पहले प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर जारी है। रविवार को नरसिंहपुर में 9 घंटे के अंदर 27 मिमी यानी, एक इंच से ज्यादा पानी गिर गया। भोपाल, खंडवा, मंडला, उमरिया और दतिया में भी बारिश दर्ज की गई।

रायसेन-बरेली पहुंचने पर रोड शो में नागरिकों ने सीएम डॉ. यादव का किया अभिनंदन

129 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण किया, तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

भोपाल/रायसेन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार शाम 4 बजे हेलिकॉप्टर से रायसेन जिले के बरेली पहुंचे। उनके आगमन पर महाराष्ट्र शैली के बैंड और ताशों के

साथ भव्य स्वागत किया गया।राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस यात्रा में भाग लिया। यात्रा मार्ग में कार्यकर्ताओं ने 108 स्थानों पर उनका स्वागत किया।

129 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास-बरेली पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में कुल 129 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें 78.57 करोड़ रुपए के नए कार्यों का शिलान्यास और 50.44 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 32 कार्यों का लोकार्पण शामिल रहा।

सड़कों के विकास पर खास जोर-प्रमुख विकास कार्यों में बरेली-चैनपुर-गगनवाडा मार्ग का 19.75 करोड़ रुपए से उन्नयन, घोंट-गडरवास मार्ग का 15.70 करोड़ रुपए से मजबूतीकरण और गुरारिया से कुब्जा संगम मार्ग का 11.49 करोड़ रुपए से निर्माण शामिल है।

गर्लफ्रेंड बोली- मर जा, युवक ने खुद पर लगाई आग

ग्वालियर में मौत से पहले कहा- ब्लैकमेल कर रही; पिता बोले- वो वीडियो बनाती रही

ग्वालियर (नप्र)। यह लड़की मेरे साथ 9 साल से रिलेशन में थी। 7 साल तक सब सही चला, लेकिन उसके बाद मुझे ब्लैकमेल करने लगी। शादी करने का झांसा दिया। जब मैंने कहा कि मुझे शादी करनी है, तू शादी कर, तो बोली- मैं शादी नहीं करूंगी। मुझे 3 लाख रुपए चाहिए। रविवार (15 जून) दोपहर 2.30 बजे आग से झुलसे ग्वालियर के 24 साल के अजय कुशवाह की मौत हो गई। उसने उससे कुछ मिनट पहले ही दिए बयान में उसका दर्द छलका। उसने अपना नाम अजय कुशवाह बताते हुए कहा- मैं सिकंदर कंपू पर रहता हूं और एक छोटी सी फैमिली से बिलॉन्ग करता हूं। मुझे मारने के लिए कुछ दिन पहले मेरे घर पर गुंडे भेजे गए थे। इसके बाद मामला लड़की के पिता को पता लगा तो वह मेरे पापा के पास आ गए। उन्होंने कहा कि आपके लड़के को शादी करनी है तो हमें पांच लाख रुपए देने होंगे, वरना शादी नहीं हो सकती। ग्वालियर की माधौगंज थाना पुलिस ने अजय को खुदकुशी के लिए उकसाने पर प्रेमिका, उसके पिता दशरथ मदने, भाई सागर मदने पर बीएनएस की धारा 108 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

9 साल पहले एक शादी में मिले थे दोनों: अजय सिंह कुशवाह के पिता सुरेश कुशवाह सब्जी का ठेला लगाते हैं। अजय भी उनकी मदद करता था। 9 साल पहले, साल 2016 में, एक शादी समारोह के दौरान माधौगंज पटियावाला मोहल्ला में रहने वाली एक लड़की से उसकी नजरें मिली थीं। दोनों के बीच दोस्ती हुई, फिर एक-दूसरे को चाहने लगे। सबसे पहले लड़की ने प्यार का इजहार किया। दोनों ने एक-दूसरे से शादी का वादा किया और रिलेशनशिप में आ गए। सात साल तक सब कुछ ठीक चला। साल 2023 के बाद अचानक उनके रिश्ते की डोर कमजोर होने लगी। युवती खुद को अजय से दूर करने लगी।

शादी के बदले मांगे रुपए, ब्लैकमेल किया: जब अजय को ये एहसास होने लगा कि उसकी प्रेमिका उसे धोखा दे रही है और दूसरे लड़कों से भी बात करती है, तो उसने उससे शादी करने के लिए कहा। इस पर लड़की ने पहले मना कर दिया, फिर शादी के बदले तीन लाख रुपए मांगे। आरोप है कि जब अजय ने यह रुपए देने से इनकार किया, तो प्रेमिका ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वह उसे धमकाने लगी कि अगर पैसे नहीं दिए तो वह उसे झूठे मामले में फंसा देगी। इसी कारण अजय पिछले कुछ महीनों से काफी परेशान था।

प्रेमिका के पिता ने मांगे थे 5 लाख रुपए: जब बात ज्यादा बढ़ गई तो लड़की के पिता और अजय के परिजन को भी मामले की जानकारी लग गई। इस पर लड़की का पिता 15 से 20 बदमाशों को साथ लेकर अजय के घर पहुंचा था। वहां उसने साफ शब्दों में कहा था- अगर मेरी बेटी से अजय की शादी करना चाहते हो तो पांच लाख रुपए देने होंगे, वरना यह शादी नहीं होगी। अपने बेटे को भी समझा दो कि वह मेरी बेटी से शादी का सपना छोड़ दे। पिता पांच लाख रुपए मांग रहा था और बेटी तीन लाख रुपए। अजय के पिता सुरेश ने बताया कि जब से लड़की के परिवार वाले धमकाकर गए थे, तभी से बेटा डिप्रेशन में था।

धार । शहर के एसपीडीए ग्राउंड में प्रकृति के मनमोहक दृश्य बादलों की अठखेलियों में फुटबॉल खेलते खिलाड़ी...

व्यंग्य अंतस की पीड़ा की मुख्य अभिव्यक्ति है

खंडवा। व्यंग्य अंतस की पीड़ा की मुख्य अभिव्यक्ति है। यह वह पीड़ा है जो विसंगतियों, असमानताओं, अत्याचारों, विद्रुपताओं के प्रति क्षोभ से उत्पन्न होती है। यह निर्बल का शस्त्र है। भारतीय संदर्भों में व्यंग्य जनमानस की दैनंदिन के वार्तालापों में जन्म लेता है। साहित्य में यह एक भाव के रूप में विद्यमान है। तो जब संपूर्ण रचना ही इसी भाव में तो वह विधा हो जाती है। सुधीर देशपांडे के व्यंग्यों में हम इन्ही बातों का विस्तार पाते हैं। ये विचार वनमाली सृजन पीठ द्वारा आयोजित व्यंग्यकार एवं कवि सुधीर देशपांडे के व्यंग्य संग्रह 'परमसत्ता से प्रेम' के लोकार्पण अवसर पर निराशा सृजन पीठ, भोपाल की निर्देशक डॉ.प साधना बलवटे ने व्यक्त किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सी.वी.रमन विश्वविद्यालय के कुल सचिव रवि चतुर्वेदी ने कहा कि व्यंग्य समाज में चेतना को उत्पन्न करता है। अपने समीक्षा आलेख वाचन में संतोष तिवारी ने कहा कि मैंने सुधीर जी को कभी किसी मसाले का मुखर विरोध करते नहीं देखा। लेकिन पुस्तक पढकर लगा कि वे प्रतिकूलताओं को उदरस्थ नहीं करते, बल्कि कंठ में कहीं रोक लेते हैं, समय आने पर उन्हें व्यंग्य के रूप में समाज को परोस देते हैं। उनके पास भाषा का एक अपना लहजा है, अभिव्यक्ति के लिये सटीक भाषा है।

सुधीर देशपांडे ने 'परमसत्ता से प्रेम' के एक व्यंग्य को पढने के साथ अपने रचना कर्म पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई दफा व्यक्ति समाज में रहते हुए कई मुद्दों पर अपनी कुंठाओं को स्वर नहीं दे पाता। तब ये कुंठाएँ एक अवसाद को जन्म देती है। वनमाली सृजन पीठ के अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। स्वागत शैलेन्द्र शरण, राजश्री शर्मा, गीतिका चतुर्वेदी ने किया।. संचालन डॉ. रश्मि दुधे ने और आभार श्यामसुंदर तिवारी ने माना। इस अवसर पर कैलाश मंडलेकर, गोविंद गुंजन, अरूण सातले, रघुवीर शर्मा, शैलेन्द्र शरण सहित कवि, साहित्यकार, बडी संख्या में प्रबुद्ध श्रोता एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का एकदिवसीय बिहार दौरा

पीएम और नीतिश सरकार के प्रयासों से गरीबों, पिछड़ों, वंचितों के लिए अभूतपूर्व काम

पटना में लगाई जाएगी अमर शहीद बुद्धू नोनिया की प्रतिमा

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पटना (बिहार) में अमर शहीद बुद्धू नोनिया जन्म-शताब्दी समारोह में सहभागिता की। समारोह में केंद्रीय मंत्री सुश्री रेणु देवी, बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी व श्री विजय कुमार सिन्हा, प्रदेशाध्यक्ष डा. दिलीप जायसवाल, श्री दारासिंह चौहान, श्री संजय जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में नोनिया जी के अनुयायी, समाजजन उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री शिवराज सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि हम उस समाज से प्रतिनिधि हैं, जिसमें अमर शहीद बुद्धू नोनिया जी ने जन्म लिया। श्री शिवराज सिंह ने बिहार सरकार को धन्यवाद दिया कि शहीद नोनिया जी की प्रतिमा पटना में लगाई जाएगी।

अमर शहीद बुद्धू नोनिया जी का स्मरण करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अंग्रेजों ने आजादी चांदी की तश्तरी में रखकर भेंट नहीं की, हजारों क्रांतिकारी हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे, कठिन संघर्ष और बलिदान के बाद हमें आजादी मिली। कई क्रांतिकारियों ने अपनी पूरी जिंदगी और जवानी अंडमान-निकोबार की जेलों में कोल्हू और चक्की पीसते हुए गुजार दी और जब फांसी के फंदों पर झूलने जाते थे तो डर से उनके पैर नहीं कांपा करते थे, उन्हें कोई घबराहट या भय नहीं रहता था, उनके एक हाथ में गीता होती थी, उनके मुंह से भारत माता की जय के उद्घोष निकलते थे, उनके हृदय में दृढ़ संकल्प होता था। वीर क्रांतिकारी भगवान से प्रार्थना करते थे कि हे भगवान, अगर मृत्यु के बाद हम फिर से जन्म लें, तो इसी भारत भूमि पर जन्म लें और जब-तक कि ये देश आजाद न हो जाए, तब-तक इसी धरती पर मृत्यु और जीवन का चक्र चले। शहीदों ने अपना सब कुछ न्योछावर किया।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मुझे गर्व है नोनिया समाज पर, चौहान समाज पर, एक तरफ संन्यासी विद्रोह प्रारंभ हुआ 1770 के आसपास, दो ही विद्रोह प्रसिद्ध हैं, इतिहास में एक संन्यासी विद्रोह और दूसरा नोनिया विद्रोह, हम आर्थिक रूप से गरीब हो सकते हैं, लेकिन देश की आन-बान-शान का जब मौका आता है, तो ये नोनिया समाज जान की बाजी लगा देता है। नोनिया विद्रोह अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए था, अमर शहीद नोनिया जी, गांधी जी ने आह्वान किया, उस आह्वान पर निकल पड़े नमक बनाने। जब उन्होंने नमक सत्याग्रह किया, तभी धोखे से उन्हें गिरफ्तार करके खोलते हुए कड़ाव में, जिसमें नमक बनता था उसमें डाल दिया गया, लेकिन खोलते कड़ाव में भी शहीद नोनियाजी के मुंह से निकल रहा था-भारत माता की जय, वंदे मातरम्।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, बिहार की सरकार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने गरीबों, पिछड़ों और वंचितों के लिए जो काम किए है, वो कभी किसी नहीं किए। हमारी बहनों को भी अगर सम्मान मिला है तो एनडीए की सरकार में मिला है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि आज अपना सम्मेलन हो रहा है और बुद्धू नोनिया जी की जन्म शताब्दी के दिन हमारे गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने घोषणा कर दी है जातिगत जनगणना की तारीखों की, अब जातिगत जनगणना होगी। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी व गृह मंत्री श्री अमित शाह जी को धन्यवाद देते हुए श्री शिवराज सिंह ने कहा कि आपका रिप्रेजेंटेशन जो मिला है, उसे भी दिल्ली में सरकार के सामने रखेंगे। रेणू दीदी ने कहा है कि यदि 95त्न अत्यंत गरीब हैं तो अनुसूचित जनजाति के रूप में भी शामिल किया जाये, इस पर सरकार विचार करेगी। हम भी तय कर लें कि जो हमारे लिए हैं, हम उनके लिए हैं। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी, जिन्होंने देश को संविधान दिया, उनका अपमान करने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा।

श्री शिवराज सिंह गरीबों, वंचितों, पिछड़ों के सशक्तिकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार पायदान में खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बिहार में भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो भी पात्र लोगों होंगे उन्होंने घर अवश्य मिलेगा। साथ ही महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए भी लखपति दीदीयों की संख्या बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी बहनों और महिलाओं का मान-सम्मान उनकी उन्नति सर्वोपरि है। अंत में श्री शिवराज सिंह ने सभी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में सामूहिक भागीदारी का आह्वान भी किया।

वर्षा योग को सफल बनाने में दिगंबर जैन समाज संकल्प के साथ जुटा

22 जून को मुनिराज का ससंघ होगा धार में मंगल प्रवेश

धार। उपाध्याय गुरुवर श्री विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघ का वर्षायोग 2025 धार नगर में होने जा रहा है। धार दिगंबर जैन समाज में वर्षायोग को लेकर अपार उत्साह का माहौल बना हुआ है। गुरुदेव ससंघ का 18 जून को इंदौर राजेंद्र नगर से धार के लिए विहार होगा। 22 जून रविवार को प्रात: धार नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। समाज अध्यक्ष के नेतृत्व में पूरी टीम अपने स्तर पर इंदौर से धार विहार एवं भव्य मंगल प्रवेश हेतु जुटी हुई है। वर्षायोग 2025 धार नगर में बड़े लंबे अंतराल के बाद होने जा रहा है। जिससे धार समाज के प्रत्येक सदस्यों में बहुत ही खुशी देखने को मिल रही है।

अलग-अलग समितियों का हुआ गठन-मीडिया प्रभारी सुभाष जैन्न ने बताया की वर्षा योग को सफल बनाने के लिए समाज की एक बैठक में विभिन्न समितियां गठित की गई है जिसमें अर्थ समिति,, आहार समिति, प्रवचन समिति, जुलूस व्यवस्था समिति, भोजन व्यवस्था समिति, आतिथ्य सत्कार समिति आदि है। जुलूस व्यवस्था समिति में पुरुष समिति और महिला समिति का भी अलग-अलग गठन किया गया है। वर्षा योग की निमंत्रण पत्रिकाएं समाज के वरिष्ठ सदस्य घर-घर बांट रहे हैं तथा वर्षायोग के समस्त कार्यों में सहयोग देकर सफल बनाने की अपील कर रहे हैं। समाज की संस्थाएं जिसमें दिगंबर जैन महिला मंडल, महिला महासमिति, नवयुवक मंडल, युवा संगठन तथा समाज की कार्यकारिणी ने भी समाज अध्यक्ष के नेतृत्व में अपने-अपने स्तर पर कार्य करने की योजना बनाकर उस पर अमल करना शुरू कर दिया है।

एम्स भोपाल ने इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस बल, आईटीबीपी जवानों के साथ मिलकर मनाया विश्व रक्तदाता दिवस

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक विभाग द्वारा रेजिडेंट डॉक्टर्स वेलफेयर काउंसिल, नर्सिंग काउंसिल, तथा इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस बल के सहयोग से 14 जून 2025 को विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एम्स भोपाल के ब्लड सेंटर में आयोजित हुआ, जिसमें उत्साहपूर्वक भागीदारी देखने को मिली और स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को मजबूती मिली। इस अवसर पर सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आईटीबीपी के जवानों, कॉलेज के छात्रों, रेजिडेंट डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों, स्टाफ तथा नर्सिंग अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुल 101 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया, जिन्हें स्वैच्छिक रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार, डिप्टी डायरेक्टर (प्रशासन) रहे। आईटीबीपी की ओर से श्री संजीव रैना (आईजी), डॉ. शशि मेहर (डिप्टी आईजी), तथा

श्री गिरीश चंद्र उपाध्याय (आईजी,) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की शुरुआत सभी विशिष्ट अतिथियों के फूलों से स्वागत के साथ हुई। डॉ. विक्रांत ने स्वागत भाषण दिया और उपस्थित जनसमूह को विश्व रक्तदाता दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। सभी अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और अपने-अपने स्वैच्छिक रक्तदान के अनुभवों को साझा किया, जिससे उपस्थित लोगों को प्रेरणा मिली। स्वैच्छिक रक्तदाताओं और शिविर आयोजकों को भी आमंत्रित किया गया ताकि वे अपने अनुभव साझा कर सकें, जिससे कार्यक्रम में भावनात्मक जुड़ाव भी बना। इस अवसर पर कर्नल अजीत कुमार ने ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, रेजिडेंट डॉक्टर्स और एम्स भोपाल समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा, को कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता, और रक्तदान ही एकमात्र तरीका है जिससे रक्त की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की एकता और मानवीय भावना की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, शॉर्ट फिल्म/रील निर्माण, और क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। साथ ही एक विशाल एसडीपी (सिंगल डोनर प्लेटलेट) डोनर भर्ती अभियान भी चलाया गया। इन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। नियमित रक्तदाताओं, प्लेटलेट डोनर्स और रक्तदान शिविर आयोजकों को उनके नि:स्वार्थ योगदान के लिए विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- विश्व रक्तदाता दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि मानवता के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाने का अवसर है। रक्तदान सबसे महान और नि:स्वार्थ कार्यों में से एक है। सभी क्षेत्रों—सशस्त्र बलों, चिकित्सा समुदाय, और युवाओं—से उत्साही भागीदारी देखकर अत्यंत हर्ष हुआ। एम्स भोपाल स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रभावी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक विभाग ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी स्वयंसेवकों, आयोजकों एवं रक्तदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह आयोजन एम्स भोपाल की जनसेवा और स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण बना।

एम्स भोपाल में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ अंतर्राष्ट्रीय स्कल बेस कोर्स 2025

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान निरंतर अकादमिक उत्कृष्टता और शल्य चिकित्सा नवाचार के क्षेत्र में मध्य भारत का मार्गदर्शन कर रहा है। इसी कड़ी में, एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी विभाग एवं एनाटॉमी विभाग द्वारा भोपाल की न्यूरो एसोसिएशन के सहयोग से आईएसबीएम स्कल बेस कोर्स 2025 का आयोजन किया गया जो न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रमुख कार्यक्रम है। 13 जून 2025 को सम्मेलन की शुरुआत एक गहन हैंड्स-ऑन स्कल बेस सर्जरी वर्कशॉप के साथ हुई, जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। एम्स भोपाल के एनाटॉमी विभाग द्वारा सहयोग प्राप्त इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को एंडोस्कोपिक स्कल बेस सर्जरी तकनीकों और माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस जैसी जटिल प्रक्रियाओं का कैडेवर पर अभ्यास कराया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा लाइव डेमो भी प्रस्तुत किए गए, जिनके बाद प्रतिभागियों को मार्गदर्शित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। 14 और 15 जून 2025 को आयोजित शैक्षणिक सत्रों में प्रख्यात विशेषज्ञों के व्याख्यान, सर्जिकल वीडियो प्रस्तुति, मामला-चर्चा और प्रदर्शनों को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे इसकी लोकप्रियता और प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। ऐसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा एम्स भोपाल में हम चिकित्सा शिक्षा और नैदानिक उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। आईएसबीएम स्कल बेस कोर्स 2025 हमारे इसी संकल्प का प्रतीक है, जो नवाचार, अकादमिक समृद्धि और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम ने युवा न्यूरोसर्जनों को न केवल अत्याधुनिक सर्जरी तकनीकों से रूबरू कराया, बल्कि उनके करियर को भी नई दिशा दी है। ऐसे आयोजनों से एम्स भोपाल की पहचान एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में और भी मजबूत हुई है।

तिलक और गले लगाकर हुआ बच्चों का स्वागत

● मप्र में स्कूल खुले ; प्राइवेट स्कूलों ने गर्मी बढ़ने पर छुट्टियां बढ़ाई

भोपाल (नप्र)। गर्मियों की छुट्टियों के बाद सोमवार से मध्यप्रदेश के सभी सरकारी स्कूल खुल गए हैं। पहले दिन जब बच्चे स्कूल पहुंचे तो उनका तिलक लगाकर और गले मिलकर टीचर्स ने स्वागत किया। भोपाल के न्यू मार्केट स्थित कमला नेहरू स्कूल में लंबी छुट्टियों के बाद स्कूल आए बच्चों में उत्साह देखने को मिला। हालांकि पहले दिन बच्चे काफी कम संख्या स्कूल पहुंचे। शिक्षा विभाग के निर्देश पर पहले से ही प्राथमिक स्कूल, माध्यमिक और हाई स्कूल, हायर सेंकेड्री के स्कूलों में प्रवेश देने की प्रक्रिया चल रही है। डेढ़ महीने के गर्मी की छुट्टी के बाद विद्यार्थियों ने अपने सहपाठियों से मुलाकात की। जिससे उनके चेहरे खिल उठे।

मंगलवार से बोर्ड की द्वितीय परीक्षा शुरू

एमपी में बोर्ड की 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा मंगलवार से शुरू हो रही हैं। इसके प्रवेश पत्र जारी हो चुके हैं। छात्र-छात्राएं ऑनलाइन माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक सुबह 9 से 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। जिनमें 10वीं व 12वीं के 3.31 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। वहीं, दोनों कक्षाओं में 5.10 लाख विद्यार्थी फेल हुए थे। यानी द्वितीय परीक्षा में सिर्फ 65 फीसदी स्टूडेंट्स ही शामिल होंगे। बता दें, 10वीं की 17 से 26 जून तक और 12वीं की परीक्षा 17 जून से 05 जुलाई तक आयोजित होगी। मध्य प्रदेश में करीब 45 दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को सरकारी स्कूल खुल गए हैं। वहीं कुछ प्राइवेट स्कूल भीषण गर्मी के चलते पेरेंट्स को मैसेज भेजकर 23 जून से खोलने की बात कही है।

साड़ी बनी फांसी का फंदा, 6 वर्षीय बच्चे की मौत

● शहडोल में पेड़ पर झूला झूल रहा था बच्चा, तभी हुआ हादसा

शहडोल (नप्र)। शहडोल के जयसिंह नगर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर 6 वर्षीय बच्चे की साड़ी के झूले में फंसकर मौत हो गई। अभि उर्फ मनु बैगा अपने घर के सामने स्थित आम के पेड़ पर मां की साड़ी से बने झूले में खेल रहा था। घटना के समय बच्चे के पिता मिर्रा बैगा मजदूरी के लिए घर से बाहर थे। परिवार के अन्य सदस्य घर के अंदर थे। झूला झूलते समय बच्चे का संतुलन बिगड़ गया। वह साड़ी के फंदे में फंस गया। पड़ोसी ने बच्चे को झूले में फंसा देखा। वे मदद के लिए दौड़े, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। स्थानीय निवासी रामू ने बताया कि पूरा गांव इस घटना से सदमे में है। पिता मिर्रा बैगा ने बताया कि अभि उनका इकलौता बेटा था। घटना के बाद से मां सदमे में है। जयसिंह नगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है। पोस्टमॉर्ट्म की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

9 नगरीय निकायों में पार्षद पद के लिए नामांकन

● 7 जुलाई को उपचुनाव की वोटिंग, 10 जुलाई को घोषित होंगे नतीजे

भोपाल (नप्र)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के 9 नगरीय निकायों में पार्षद के एक-एक पद के चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। इसमें 8 हजार 823 मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नामांकन फार्म जमा करने का काम आज से शुरू हो गया है। नामांकन फार्म 23 जून 2025 तक जमा होंगे। नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रूटनी 24 जून को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है। इसी दिन प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद मतदान 7 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी।

जल-संवेदना और संस्कृति का संगम, 20 से 25 जून तक

भारत भवन में होगा आयोजन, सीएम करेंगे शुभारंभ, पीयूष मिश्रा और अन्नू कपूर होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। जल सिर्फ उपयोग की वस्तु नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और आस्था का स्रोत है। इसी भाव को पुनर्जीवित करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 'सदानीरा समागम' का आयोजन 20 से 25 जून तक भारत भवन में किया जा रहा है। यह आयोजन केवल जल संरक्षण का संदेश नहीं देगा, बल्कि लोक संस्कृति, परंपरा और विचारों की धारा को भी प्रवाहित करेगा। आयोजन का शुभारंभ 20 जून को शाम 6 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। अध्यक्षता संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी करेंगे। 'सदानीरा समागम' का आयोजन वीर भारत न्यास द्वारा किया जा रहा है। न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि यह अभियान नदियों, जलाशयों और पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण का राज्यव्यापी प्रयास है, जिसमें आमजन की सहभागिता अहम है। भारत भवन को आयोजन स्थल के रूप में चुनने को लेकर श्रीराम तिवारी ने कहा, यह स्थान किसी बावड़ी, घाट या सरोवर की तरह जल और चेतना का जीवंत प्रतीक है। इसकी सीढ़ियां झील की ओर उतरती हैं। जैसे परंपरा में व्यक्ति आत्म संवाद के लिए जल स्रोतों की शरण लेता था। यहां जल दिखता नहीं, लेकिन उसकी अनुभूति हर रचना में बहती है।

6 दिन ऐसे होंगे कार्यक्रम

- 20 जून को अंतरंग सभागार में शाम 6 :30 बजे
- फिल्म प्रदर्शन : 'सदानीरा' और 'अमृतस्य नर्मदा'
- संगीत और कविता : 'साउंड ऑफ रिवर' (स्मिता नागदेव, राहुल शर्मा)
- नृत्य नाटिका : 'हमनवा' – तिस्ता और गोदावरी संवाद (विदुषी शमा भाटे, पुणे)
- 21 जून को प्रात : 10 बजे अभिरंग सभागार में
- प्रवाह जल एकाग्र डॉक्यू ड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन
- सायं 6 :30 बजे 'नदी नामा' – नदी आधारित कविताओं का पुनर्पाठ (करन राजदान, अन्नू कपूर, पीयूष मिश्रा, नवनी परिहार सहित अन्य)
- नृत्य नाटिका : 'निशब्द भेदा' (विदुषी शमा भाटे)
- 22 जून को सुबह 10 बजे
- प्रात : डॉक्यू ड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन
- शाम : 'जानकी बैंड' (जबलपुर), नृत्य नाटिका 'प्राणे जलम्' (पद्मश्री गीता चंद्रन, दिल्ली)
- 23 जून को शाम 6 :30 बजे
- 'नर्मदा – जीवन प्रवाह' (स्वागतिका स्वाई, संगीता शर्मा)
- 'कालिंदी – आज की कथा' (बी. नागराज, बेंगलुरू)
- अन्नू कपूर नदी आधारित कविताओं के पुनर्पाठ में होंगे शामिल।
- अन्नू कपूर नदी आधारित कविताओं के पुनर्पाठ में होंगे शामिल।
- 24 जून को शाम 6 :30 बजे
- वैचारिक समागम : 'अथ नदी कथा' (देशभर से जल विशेषज्ञ, लेखक और चिंतक शामिल)
- नृत्य नाटिका : 'जलम् अमृत' (निशा त्रिवेदी, दिल्ली)
- 25 जून को शाम 6 :30 बजे
- शास्त्रीय गायन : 'पुरबिया' (डॉ. रीता देव, पं. भोलानाथ मिश्र, बनारस)
- नृत्य नाटिका : 'जीवनम्' (बिम्बावती देवी, मणिपुरी शैली, कोलकाता)

जनगणना के नोटिफिकेशन के बाद सिंघार के सवाल

बीजेपी सरकार स्पष्ट करे, लोकसभा चुनाव के पहले जातीय जनगणना कराएगी या नहीं

भोपाल (नप्र)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी करने के बाद जाति जनगणना को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी राजनीति के चलते केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार जातीय जनगणना को डिले करा सकती है। इस मामले में केंद्र सरकार और बीजेपी को स्थिति साफ करनी चाहिए। सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। सोमवार को केंद्र सरकार के जातीय जनगणना का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि जातिगत जनगणना राहुल गांधी की जीत है। यही कारण है कि भाजपा समय रहते जातिगत जनगणना कराने से कतराएगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मोदी सरकार लोकसभा चुनाव के पहले जातिगत जनगणना कराएगी? जाति जनगणना का सर्वे कराकर क्या यह सरकार जातियों की स्थिति स्पष्ट करेगी। चाहे दक्षिण हो या उत्तर भारत हो, सभी राजनीतिक समीकरण के आधार पर तय होगा।

प्रदेश में महिला की कोरोना से मौत

डिलीवरी के लिए जबलपुर में थी भर्ती, बच्चा सुरक्षित ; प्रदेश में अब तक 4 मौतें

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कोरोना से इस साल चौथी मौत हो गई है। इसकी पुष्टि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड-19 डेशबोर्ड पर की गई है। मंडला जिले के नारायणगंज निवासी महिला की रविवार रात जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में कोरोना से मौत हुई। महिला गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था, जहां बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी मौत हो गई। इससे पहले, इंदौर, खरगोन और रतलाम के एक-एक मरीजों की मौत कोरोना से हो चुकी है। हालांकि, मामले में भोपाल और इंदौर के सीएमएचओ ने कहा कि हमारे जिले में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई है। ऐसे में अन्य जिलों से जानकारी ली जा रही है। दरअसल, मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग प्रदेश में जिलावार कोरोना के आंकड़े जारी नहीं कर रहा है। जिससे मौत कहां हुई, अभी इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है।

पहली बार बंद हेल्थ बुलेटिन

प्रदेश में कोरोना की स्थिति को लेकर इंटिग्रेटेड डिजीज सर्विलेंस प्रोग्राम द्वारा अब जिलेवार आंकड़े जारी नहीं किए जा रहे हैं, जबकि अन्य राज्य रोजाना हेल्थ बुलेटिन जारी कर रहे हैं। साल 2020 में महामारी शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब अधिकारी कोरोना से जुड़ी जानकारी साझा करने से बच रहे हैं।

4 नए केस, अब तक 200 संक्रमित

प्रदेश में रविवार, 15 जून को कोरोना के 4 नए केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही 2025 में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 200 हो गई है। इनमें से 134 एक्टिव केस हैं और 62 मरीज रिकवर हो चुके हैं। अब तक 4 मौतें भी हुई हैं।

पहले हुई 3 मौत

रतलाम- 52 वर्षीय महिला, जिन्हें टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां थीं। मौत 11 जून को इंदौर में इलाज के दौरान हुई।

खरगोन- 44 वर्षीय महिला, जिन्होंने हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। 6 जून को एमआरटीबी अस्पताल में मृत्यु हुई।

इंदौर- 74 वर्षीय महिला, जिन्हें किडनी की बीमारी थी। 27 अप्रैल को अरबिंदो अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हुई थी।

पीथमपुर में 2 लाख मजदूरों का होगा वेरिफिकेशन

बांग्लादेशी और रोहिंग्या की धरपकड़ ; पुलिस ने ठेकेदारों से मांगे आधार कार्ड और बायोडाटा

पीथमपुर (नप्र)। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में विदेशी मजदूरों की पहचान के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके चलते रविवार शाम पीथमपुर थाना सेक्टर-1 में एसडीओपी धामनोद मोनिका और थाना प्रभारी ओमप्रकाश अहीर ने लेबर ठेकेदारों के साथ बैठक की। थाना प्रभारी ने सभी ठेकेदारों को निर्देश दिए कि वे अपने यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों का आधार कार्ड और पूरा बायोडाटा थाने में जमा करें। उन्होंने कहा कि पुलिस हर कर्मचारी का वेरिफिकेशन करेगी। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की होगी पहचान: विशेष रूप से बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की पहचान पर ध्यान दिया जाएगा। ठेकेदारों को यह प्रमाण पत्र भी देना होगा कि उनके यहां कोई बाहरी व्यक्ति काम नहीं कर रहा है।

क्षेत्र में 1000 से ज्यादा उद्योग: पीथमपुर में 1000 से अधिक उद्योग हैं। यहां करीब 2000 से ज्यादा लेबर कांट्रेक्टर काम करते हैं। इन उद्योगों में लगभग 2 लाख मजदूर कार्यरत हैं। प्रशासन का यह कदम क्षेत्र में अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाया गया है।

तबादले के लिए अब आज का दिन और...

स्कूल शिक्षा, वन, जीएडी, माइनिंग, हार्टिकल्चर समेत कई विभागों की लिस्ट पेंडिंग

भोपाल (नप्र)। एक मई से हटे तबादलों पर प्रतिबंध की अवधि दो दिन में खत्म हो जाएगी। मंगलवार, 17 जून के बाद तबादलों की समय-सीमा अब और नहीं बढ़ाई जाएगी। यह साफ हो चुका है। लेकिन कई विभागों ने अभी तक तबादला सूची जारी नहीं की है। ऐसे में अब सोमवार और मंगलवार को इन विभागों समेत अन्य सभी विभागों की तबादला सूची जारी होना तय माना जा रहा है। जिन प्रमुख विभागों ने इस अवधि में तबादले नहीं किए हैं, उनमें स्कूल शिक्षा, वन विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), खनिज संसाधन (माइनिंग), परिवहन, सहकारिता, जल संसाधन, उद्यानिकी (हार्टिकल्चर) जैसे विभाग शामिल हैं। इसके अलावा कई अन्य विभागों ने भी अभी आधी-अधूरी सूची ही जारी की है। स्कूल शिक्षा विभाग में सबसे ज्यादा तबादले होने हैं, और इसके लिए विभाग ने 16 जून, सोमवार तक का समय तय किया है। इसलिए सबसे बड़ी सूची इसी विभाग से जारी होने की संभावना है। इसी तरह जनजातीय कार्य विभाग के भी तबादला आदेश जारी होना बाकी हैं। इस विभाग में ट्राइबल टीचर्स के अलावा सहायक संचालक, जिला संयोजक, क्षेत्रीय संयोजक समेत उच्च पदों पर पदस्थ अफसरों और कर्मचारियों की तबादला सूची तैयार है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वन्य जीवों की सुरक्षा और व्यवस्थापन को लेकर काफी गंभीर हैं, लेकिन इस विभाग में रेंजर, उप वन मंडल अधिकारी, वन मंडल अधिकारी, फॉरेस्ट गार्ड समेत वन भवन में पदस्थ अफसरों के तबादले भी अटके हुए हैं। खनिज संसाधन विभाग में जिला खनिज अधिकारी समेत खनिज निरीक्षकों के तबादले लंबित हैं। स्वास्थ्य विभाग में भी नर्सिंग ऑफिसरों की एक या दो सूचियाँ जारी होना तय माना जा रहा है। डॉक्टरों, सर्जनों, विशेषज्ञों और फार्मासिस्टों के तबादलों की सूची अब तक जारी नहीं की गई है। केवल उच्च शिक्षा विभाग ने भारी-भरकम तबादला सूची जारी की है।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने अब तक तबादले नहीं किए हैं

सामान्य प्रशासन विभाग ने डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, अपर कलेक्टर और आईएएस अफसरों की कोई तबादला सूची जारी नहीं की है। 37 संयुक्त कलेक्टर मार्च 2023 से ही अपर कलेक्टर के पद पर पदोन्नत हो चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें पदस्थापन नहीं मिल पाई है और वे अभी भी जिलों में संयुक्त कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसी तरह दतिया में कलेक्टर का पद 15 दिन से खाली है। यहां जिला पंचायत के सीईओ को कलेक्टर का प्रभार सौंपा गया है। दतिया के कलेक्टर रहे संदीप माकिन 31 मई को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसी माह 30 जून को सागर कमिश्नर वीरेंद्र सिंह रावत भी रिटायर हो रहे हैं।

इसके अलावा मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में भी बदलाव को लेकर बीते 15 दिनों से मंत्रालय के गलियारों में चर्चाएं हैं, लेकिन सूची जारी नहीं हो पा रही है।

इस साल तबादलों के लिए 47 दिन मिले

इस वर्ष तबादलों के लिए विभागों को कुल 47 दिन का समय मिला है। पहले मोहन कैबिनेट ने 29 अप्रैल को तबादला प्रतिबंध हटाते हुए एक मई से 30 मई तक तबादले करने का अधिकार मंत्रियों और विभागाध्यक्षों को दिया था। इसके बाद मंत्रियों की मांग और 31 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्य प्रदेश दौरे के मद्देनज़र इसे 10 जून तक बढ़ाया गया। पिछली कैबिनेट में इस अवधि को सात दिन और बढ़ाने की मंजूरी दी गई थी। 9 और 10 जून को कई विभागों ने तबादला सूची जारी की, लेकिन कई विभागों की सूची अब तक जारी नहीं हुई है।

मंत्रियों और अफसरों के बीच तालमेल की कमी से सूची अटकी हुई है

तबादला सूची जारी न होने का मुख्य कारण मंत्रियों और अफसरों के बीच तालमेल की कमी को बताया जा रहा है। कई विभागों में प्रमुख सचिव, आयुक्त और मंत्रियों के बीच तबादला सूची में शामिल नामों पर सहमति नहीं बन पाने के कारण सूची अटकी हुई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में ग्रामीण आजीविका मिशन की सूची जारी नहीं हो पा रही है। वन विभाग में आईएफएस अफसरों की तबादला सूची के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की स्वीकृति मिलनी बाकी है।

शाह की सीख का असर !

गृह मंत्री अमित शाह की पचमढ़ी प्रशिक्षण शिविर में गलत बयानबाजी से बचने की सीख का भाजपा के मंत्रियों पर गहरा असर पड़ा है। हालत यह है प्रशिक्षण शिविर के समापन पर भी मंत्रियों ने मीडिया से बयान बाजी में चुप्पी साध ली और मीडिया को देखकर किनारा पकड़ लिया। गृह मंत्री शाह ने पचमढ़ी के प्रशिक्षण शिविर में मंत्रियों और नेताओं को हर विषय पर बयानबाजी नहीं करने की सीख दी है। खास तौर पर संवेदनशील मुद्दों पर तो मंत्रियों को पूरी तरह चुप्पी साधने को कहा है। साथ ही शाह ने मंत्रियों को अधिकारियों पर लगाम कसने की हिदायत दी। शाह ने साफ कहा कि मंत्री की विभाग पर पकड़ होगी तो विभाग का अफसर भी ना नहीं कर पाएगा जबकि हालत अभी प्रदेश में अफसर ही मंत्रियों को चलाने की दिख रही। अफसर मंत्रियों की सुन नहीं रहे हैं इसकी गूंज दिल्ली तक गई है।

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

पूर्व मंत्री की हास्यास्पद सिफारिश

तबादले की सीजन में एक पूर्व मंत्री और विधायक की तबादले की सिफारिश हास्यास्पद और चर्चा का विषय बनी। पूर्व मंत्री ने अपने जिले में पदस्थ एक सरकारी कर्मचारी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए उसका कामकाज बहुत खराब बताया और जिले के प्रभारी मंत्री से कर्मचारी को औबेदुल्लागंज पदस्थ करने की सिफारिश की। जब यह लेटर रायसेन जिले के प्रभारी मंत्री के स्टाफ पर पहुंचा तो प्रभारी मंत्री के स्टाफ ने सिफारिश की भाषा पर खूब चुटकी और पूर्व मंत्री की सिफारिश को विभागीय मंत्री के पास भेजने का फैसला लिया। प्रभारी मंत्री के स्टाफ में आश्चर्य व्यक्त किया कि जब कर्मचारी का प्रदर्शन ही खराब है तो उसे औबेदुल्लागंज क्यों पदस्थ किया जाए ? उसे तो प्रदेश के दूर दराज की किसी तहसील में बतौर सजा के पदस्थ किया जाना चाहिए तभी उसके कामकाज में सुधार आ सकता है। बता दें कि पूर्व मंत्री ने पिछली भाजपा की सरकार में एक भारी भरकम विभाग का दायित्व संभाला था।

अंगदी उप यंत्री

लोक निर्माण विभाग में 15-20 सालों से एक ही स्थान पर जमे उप यंत्रियों की जानकारी जुटाना विभाग के लिए मुश्किल बनता जा रहा है। मुख्य अभियंता ने प्रमुख अभियंता की नाराजगी से अवगत कराते हुए ग्वालियर- चंबल संभाग के कार्यपालन यंत्रियों को सख्त हिदायत दी। उसके बावजूद भी उप यंत्रियों की जानकारी नहीं भेजी जा रही है और जो जानकारी आ रही है उसमें भी घाघ व रसूखदार उप यंत्रियों का नाम छोड़ दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि प्रमुख अभियंता कार्यालय ने ग्वालियर चंबल संभाग में सालों से जमे उप यंत्रियों का डाटा तलब किया है लेकिन लिस्ट में उन उप यंत्रियों का नाम शामिल नहीं है जो सालों से इसी संभागों में चिपके हैं। सूत्र बताते हैं कि अंगदी उप यंत्रि अपने जूनियर को प्रमोट कर प्रभारी एसडीओ बनवा देते हैं लेकिन मलाईदार जगह से नहीं हटते हैं। उप यंत्रियों को भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है। देखते हैं विभागीय अधिकारियों का प्रयास इन उप यंत्रियों को जगह से हिला पाएगा कि नहीं, जबकि आज 17 जून को तबादलों की आखिरी तारीख है।

फजीयत सरकार की

एक सीनियर आईएएस अधिकारी के बढ़बोलेपन के कारण राज्य सरकार की फजियत का सामना करना पड़ा है। अधिकारी ने किसानों की एक फसल को लेकर अजीब बयान दिया तो सरकार को ब्रेक फुट में आना पड़ा और भारी दबाव में किसानों की फसल खरीदी का निर्णय लेना पड़ा। सूत्र बताते हैं अफसर के बढ़बोलेपन के कारण विपक्ष ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया था और सरकार को यहां तक मुख्यमंत्री को भी इस मामले में बयान देना पड़ा। सरकार अंत में झुकी और फसल खरीदी का निर्णय लिया। बता दे कि यह सीनियर अधिकारी प्रधानमंत्री के एक महत्वपूर्ण मिशन पर भी निगरानी रखे हुए।